प्रधानमंत्री मोदी ने जहां संकल्प पत्र जारी कर यह संदेश दिया कि उनके लिए दलित पिछड़े ओबीसी का विकास विकास अहम है वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह राजनीतिक दबाव में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने कदम सुस्त नहीं करेंगे। भाजपा ने संकल्प में सिर्फ इतना संदेश दिया कि हमने जो कुछ किया उसे और बेहतर करेंगे और वृहत करेंगे।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 339 दिनांकः15-04-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

महेंद्र सिंह धोनी ने रचा इतिहास, धोनी का टी20 इतिहास में किसी एक टीम के लिए यह 250वां मुकाबला था। ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने, धोनी ने कोहली की बराबरी कर ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जारी किया भाजपा का संकल्प पत्र...

70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए 3 करोड़ घर सहित कई वादें

पांच साल राशन, फ्री बिजली, 10 करोड़ किसानों को पेंशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली स्थित पार्टी दफ्तर में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का मैनिफेस्टो जारी किया। इसे भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी नाम दिया गया है। मोदी के साथ मंच पर जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और निर्मला सीतारमण मौजूद थे। संकल्प पत्र की पहली कॉपी गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दिया गया। ये वो लोग थें, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का फायदा मिला। पार्टी ने पिछले 10 साल के वादों और उन्हें पूरा करने पर बना एक वीडियो भी जारी किया।

76 पेज के संकल्प पत्र में भाजपा ने पांच साल तक प्रधानमंत्री राशन योजना के जारी रहने, 70 साल तक के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना का लाभ देने, उज्ज्वला योजना को आगे बढ़ाने, लखपति दीदी-ड्रोन दीदी योजना को आगे बढ़ाने और 10 करोड़ किसानों को आर्थिक सहायता जारी रखने की बात कही गई है।

यानी संकल्प पत्र में लोकलुभावन मुद्दों को भी शामिल करने की कोशिश की गई है। इसके साथ ही पार्टी ने संवेदनशील मुद्दों जैसे एक राष्ट्र, एक चुनाव और समान नागरिक संहिता को लाने का वादा भी किया है। जिस तरह भाजपा ने अनुच्छेद 370, तीन तलाक और राम मंदिर के अपने मुद्दे को पूरा करके दिखाया है, माना जा सकता है कि यदि वह सत्ता में आती है, तो वह अपना वादा पूरा करने में कोई कमी नहीं रखेगी। भाजपा का यह मुद्दा एक विशेष वर्ग खासकर युवाओं के बीच उसकी लोकप्रियता का कारण बन सकता है।

संकल्प पत्र के बड़े वादे-

- युवाओं के लिए

पेपर-लीक पर लगाम लगाने के लिए कानून लाया जाएगा। भाजपा ने कहा कि हमने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है। अब, हम इस कानून को सख्ती से लागू करके, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा देंगे। भाजप ने कहा कि उसकी सरकार ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं का पारदर्शी आयोजन कर लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों में भर्ती किया है। हम आगे भी सरकारी भर्तियां समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से करते रहेंगे। हम सरकारी परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए इच्छुक प्रदेश सरकारों को भी सहयोग देंगे।

- किसानों के लिए

पीएम किसान योजना से किसानों को मजबूतीः किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की है। पीएम फसल बीमा योजना में मजबूती लाई जाएगी। प्रमुख फसलों के लिए एमएसपी में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। समयबद्ध तरीके से 22 फसलों में एमएसपी में वृद्धि की जाएगी।

सहकारिता के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के अंतर्गत पीएचएस में पर्यात भंडारण क्षमता विकास। कीटनाशक के प्रयोग, सिंचाई, सॉइल हेल्थ, मौसम पूर्वानुमान जैसी कृषि संबंधी गतिविधियों के लिए एक स्वदेशी भारत कृषि डीटेलाइट की लॉन्चिंग। कृषि में सूचना की विसंगति को हटाना और किसान केंद्रित समाधान एवं सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास।

-महिलाओं के लिए

एक करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर सशक्त किया गया है। अब तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा। महिला एसएचजी को सर्विस क्षेत्र से जोड़ा जाएगा, महिला एसएचजी उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण, जिसमें शिशुगृह जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी। महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण एवं रख-रखाव। एनीमिया, स्तन कैंसर, ऑस्टियोपोरोसिस, सर्वाइकल कैंसर जैसी समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर, महिलाओं के स्वस्थ जीवन के लिए और अधिक प्रयास। एक विशेष अभियान चलाकर महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर को पूर्णता से दूर किया जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का क्रियान्वयन।

रेलवे के लिए

नई रेलवे पटरियों का निर्माण। यात्री और मालवाहक (कार्गो) परिवहन की क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे नेटवर्क का विस्तार। अगले कुछ वर्षों तक हर साल 5,000 किमी नई पटरियां जोड़ी जाएंगी। टिकट की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। टिकटों की वेटिंग लिस्ट को न्यूनतम करने की प्रतिबद्धता। कवच ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का विस्तार। विश्व स्तरीय स्टेशन का निर्माण। आधुनिक ट्रेनों के नेटवर्क का विस्तार।

विश्व स्तरीय वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों का विकास और निर्माण किया है। इन ट्रेनों के नेटवर्क का और विस्तार। आरामदायक लंबी दूरी की यात्रा के लिए वंदे स्लीपर ट्रेन की शुरुआत। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए ट्रेनों का विस्तार। 1,300+ रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय मानकों पर पुनर्विकास हो रहा है। इस परियोजना का विस्तार अन्य सभी बड़े और मध्यम आकार के स्टेशनों तक किया जाएगा। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार। पहला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इस बुलेट ट्रेन नेटवर्क के विस्तार के लिए उत्तर, दक्षिण और पूर्व में नए कॉरिडोर के लिए फिजिबिलिटी स्टडी किया जाएगा। नागरिकों को ट्रेनों से संबंधित सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए सुपर एप। भारत की समृद्ध विरासत के अनुभव के लिए भारत गौरव रेल सेवा आरंभ की गई है। इसका विस्तार देश के सभी प्रमुख आस्था एवं सांस्कृतिक केंद्रों तक होगा।

-संस्कृति के लिए

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से प्रेरित होकर धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। अयोध्या में विश्वभर से करोड़ों बद्धालु श्री रामलला के दर्शन करने आ रहे हैं। अयोध्या नगरी कर सर्वांगीण विकास किया जाएगा। भास्तीय पांडुलिपियों का संरक्षण और अध्ययन।प्राचीन भारतीय सभ्यता, शास्त्रीय भाषाओं, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए एक फंड स्थापित किया जाएगा। भारतीय साहित्यिक रचनाओं का विदेशी भाषाओं में अनुवाद। भारतीय ज्ञान परंपराओं पर एक त्रिवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को तैयार करने के उद्देश्य से एएसआई स्मारकों का जीर्णोद्धार और संरक्षण। पर्यटन स्थलों के व्यापक विकास के लिए स्वदेश दर्शन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम को मजबूती देने के लिए राज्य सरकारों के साथ काम किया जाएगा। महत्वपूर्ण संतों और दार्शनिकों की जीवन यात्राओं को शामिल किया जाएगा। पर्यटन के लिए थीनेटिक सर्किट का विकास। लक्षद्वीप एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में द्वीप पर्यटन केंद्र। नॉर्थ-ईस्ट भारत और अन्य पहाड़ी राज्यों में एडवेंचर पर्यटन। वेड इन इंडिया का प्रोत्साहन।

-भ्रष्टाचार के खिलाफ ठोस कदम

भाजपा ने कहा कि पिछली सरकारों की अपेक्षा, हमने नागरिकों को पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रदान किया है। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनों का प्रौद्योगिकी के माध्यम से सख्ती से पालन करेंगे।

-समान नागरिक संहिता

भारत के संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के रूप में दर्ज की गई है। भाजपा का मानना है कि जब तक भारत में समान नागरिक संहिता को अपनाया नहीं जाता, तब तक महिलाओं को समान अधिकार नहीं मिल सकता। भाजपा सर्वश्रेष्ठ परंपराओं से प्रेरित समान नागरिक संहिता बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें उन परम्पराओं को आधुनिक समय की जरूरतों के मुताबिक ढाला जाए।

ईरान का इजराइल पर 300 मिसाइलों-ड्रोन से हमला

अमेरिका बोला- जवाबी हमले में साथ नहीं देंगे

तेहरान/तेल अवीव (ईएमएस)। ईरान की सेना ने शनिवार देर रात 3 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) इजराइल पर करीब 300 ड्रोन और मिसाइल से अटैक किया है। इजराइली सेना ने इस हमले की जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने कुछ ड्रोन मार गिराए। वहीं, इजराइल के आयरन डोम ने ईरान की तरफ से दागी गईं मिसाइलों को रोका। इजराइल के नेवातिम एयरफोर्स बेस को कुछ नुकसान पहुंचा है। हमले की वजह से मची भगदड़ में 12 लोग घायल हो गए। इजराइली चैनल 12 ने बताया कि ईरान ने ड्रोन हमला किया है। कुछ ड्रोन्स को सीरिया और जॉर्डन में भी मार गिराया गया है।

ईरान ने इजराइल पर इस हमले को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस नाम दिया। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एम्बेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने के लिए इजराइल पर अटैक करने की धमकी दी थी।

डेथ टू इजराइल के नारे लगे

इजराइल पर हमले के बाद रविवार सुबह ईरान की संसद बुलाई गई। न्कार्यवाही शुरू होते ही सांसदों ने डेथ टू इजराइल, डेथ टू अमेरिका के नारे लगाए। इजराइल पर हमला करने के लिए ईरानी सांसद सरकार को धन्यवाद कहते भी दिखे। ईरान ने दावा किया है कि हमले की वजह से ईरान को करीब 836 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचा है। ईरान के हमलों से ज्यादातर नुकसान मिसाइल डिफेंस सिस्टम को पहुंचा। कई मिसाइलें अराद शहर में जाकर गिरीं। कुछ मिसाइलें अल-फाहम शहर पर भी दागी गईं। इससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।

अमेरिका पर भी हमले की धमकी

ईरानी सेना ने अमेरिका को धमकी दी है कि अगर उन्होंने काउंटर अटैक में इजराइल का साथ दिया तो अगला हमला अमेरिकी बेस पर होगा। ईरान की सेना के कमांडर मोहम्मद बघेरी से स्टेट टीवी से कहा कि अगर इजराइल ने हमला किया तो हम आज से भी बड़ा करेंगे।

यह घोषणा-पत्र नहीं भाजपा का जुमला पत्र है

विपक्ष ने बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर दी प्रतिक्रियाएं

-जिस की खुद की गारंटी नहीं उसकी गारंटी का क्या मान?

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भाजपा ने आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम दिया गया है। भाजपा के संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने मुफ्त राशन योजना को भी अगले पांच साल तक बढ़ाने की बात कही। भाजपा ने संकल्प पत्र में ज्ञान पर फोकस किया है। जिसका अर्थ गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी शक्ति से है। भाजपा के संकल्प पत्र पर विपक्ष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस घोषणापत्र से साफ होता है कि भाजपा के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है। खरगे ने कहा अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ऐसा कोई बड़ा काम नहीं किया जिससे जनता, युवाओं, किसानों को लाभ हो, महंगाई इतनी बढ़ गई है कि उसकी उन्हें चिंता ही नहीं है। उन्होंने कहा पीएम मोदी ने पहले जो ट्रेलर बताया है उसमें ना डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी और ना ही गैस सिलेंडर की बात की है। इससे साबित होता है कि उनके पास लोगों को देने के लिए कुछ खास नहीं है।

वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर कहा कि इससे पहले किसी भी सरकार को गोलपोस्ट बदलने की बीमारी नहीं हुई। आपने 2014 में क्या कहा, 2019 में आपने उस पर कोई हिसाब नहीं दिया। 2019 में जुमले और गोलपोस्ट और 2024 में आप 2047 के बारे में बात कर रहे हैं। भाजपा के घोषणापत्र में लिखा है कि वे 2036 ओलंपिक की मेजबानी करेंगे आपको 5 साल का हिसाब देना चाहिए। वे इतनी सफाई से झूठ बोलते हैं लेकिन अब उन्होंने इतना झूठ बोल चुके है कि कोई उन पर भरोसा नहीं करता है। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैं अपने बाल सफेद करता हूं, हुजूर आप सिर्फ बाल सफेद नहीं करते हैं, आप झूठ भी बड़े सफेदपोश ढंग से पेश करते हैं। भाजपा के जारी संकल्प पत्र पर म.प्र. कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा ने संविधान को कमजोर किया है। भाजपा सांसद ने कह रहे हैं कि 400 सीटें चाहिए, संविधान बदलना है। उन्होंने भारत को किसानों की हत्या में प्रथम देश बनाया, पीएम मोदी ये बताना नहीं चाहते कि हमारा देश दुनिया में सबसे ज्यादा कर्जदार हो गया है। वह जो बोलते हैं वो करते ही नहीं, ये मोदी की गारंटी है जो बोला झूठ बोला। झूठ की गारंटी, मोदी की गारंटी।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर कहा कि इस पर सिर्फ हंस सकते हैं कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकते। पीएम मोदी ने 2014 में खुद कहा था कि 15 लाख रुपये सबके खाते में डालेंगे लेकिन हुआ क्या? पिछले 10 सालों में तीन गुना बेरोजगारी बढ़ गई। तिवारी ने आगे कहा कि आज किसी की साख खत्म हुई है तो वो खुद पीएम मोदी की हुई है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी की खुद की गारंटी नहीं है उसकी गारंटी का क्या मान होगा?

आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि आज भाजपा ने घोषणापत्र नहीं बल्कि जुमला पत्र जारी किया है। क्योंकि 10 साल सरकार चलाने के बाद भी वे अपने एक भी वादे को पूरा नहीं कर पाए हैं बल्कि 25ङ युवा बेरोजगार हैं, महंगाई चरम पर है। आज एक आम परिवार के लिए घर चलाना कितना मुश्किल हो गया है। जितना खर्चा पूरे देश में आयुष्मान भारत योजना पर हुआ है वो दिल्ली के स्वास्थ्य बजट से भी कम है। पहले भी ऐसे ही जुमला पत्र में कहा गया था कि किसानों की आय दोगुना करेंगे। आज वो वादा गायब हो गया। इस घोषणा पत्र में एमएसपी कानून की बात तक नहीं की गई है। यह घोषणा पत्र नहीं भाजपा के झूठ का जुमला पत्र है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी, कन्हैया कुमार उत्तर-पूर्वी दिल्ली से प्रत्याशी

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने 10 और उम्मीदवारों के नामों घोषणा की है। दिल्ली में आप के साथ गठबंधन के तहत मिले 3 सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया। कन्हैया कुमार, उदित राज, जेपी अग्रवाल को दिल्ली की तीन सीटों पर पार्टी की तरफ से उम्मीदवार बनाया गया है। कन्हैया कुमार को उत्तर पूर्वी दिल्ली से प्रत्याशी बनाया गया है। यहां उनका मुकाबला बीजेपी के मनोज तिवारी से होगा। वहीं चांदनी चौक से जेपी अग्रवाल, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली से उदित राज को उम्मीदवार बनाया गया है।

दिल्ली की तीन सीटों के अलावा पंजाब की अमृतसर सीट से पार्टी की तरफ से गुरजीत सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। जालंधर से पूर्व मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। फतेहगढ़ साहब से अमर सिंह, भटिंडा से जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू, संगरुर से सुखपाल सिंह खैरा, पटियाला से धर्मवीर गांधी और इलाहाबाद सीट से उज्जवल रेवती रमन सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने रविवार सुबह 5 बजे फायरिंग की गई। 2 बाइक सवारों ने 4 राउंड फायर किए। जिस वक्त फायरिंग हुई, उस वक्त सलमान अपने घर में ही थे। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से फोन पर बात की। शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से भी बात करते हुए सलमान की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए कहा है। सलमान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खान को लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गैंग ने जान से मारने की धमकी दी थी।

केजरीवाल की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल यानी सोमवार को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने विगत मंगलवार को गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने ईडी की दलील पर गौर करते हुए कहा था कि ईडी के पास केजरीवाल की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त सबूत हैं। इसमें कुछ बयान और शराब नीति के निर्माण में केजरीवाल के शामिल होने के सबूत शामिल हैं।

केजरीवाल ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी से एक ईमेल भेजने के लिए कहा, जो सीएम केजरीवाल की ओर से पेश हुए और तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया।

लाहौर में सरबजीत के हत्यारे की हत्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। लाहौर में अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अमीर सरफराज वही है, जिसने आईएसआई के इशारे पर पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक सरबजीत की हत्या की थी। पाकिस्तान की कोट लखपत जेल में अमीर सरफराज ने सरबजीत की पॉलीथिन से गला घोंटकर और पीट- पीट कर हत्या कर दी थी। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कहने पर अमीर ने सरबजीत को तड़पा-तड़पा कर मारा था। पंजाब के सरबजीत को पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में पाकिस्तानी सेना ने पकड़ा था।

दुनिया का सबसे मंहगा चुनाव होगा 2024 लोकसभा चुनाव भारत का

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18वीं लोकसभा का चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव हो सकता है। दरअसल अनुमान के मुताबिक इस चुनाव में 1 लाख करोड़ रुपए का खर्च हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में देश में चुनाव का कुल खर्च करीब 60 हजार करोड़ रूपए (8 बिलियन डालर) था और उस समय यह दुनिया का सबसे महंगा चुनाव साबित हुआ था, क्योंकि 2016 में अमरीका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में कुल 6.5 बिलियन डालर रुपए खर्च हुए थे लेकिन 2020 के अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव में ही अमरीका ने सबसे महंगे चुनाव के मुकाबले भारत को पछाड़ दिया, क्योंकि अमरीका में पिछले राष्ट्रपति चुनाव में 14 बिलियन डालर का खर्च हो गया। अब यदि भारत में 2024 का चुनाव का खर्च 1.16 लाख करोड़ को पार करता है, तब भारत का चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होगा। इस हिसाब से दुनिया के सबसे महंगे चुनाव के मामले में भारत-अमरीका में ही मुकाबला है। देश में 2019 के चुनाव में हुए कुल खर्च में चुनाव आयोग के खर्च के अलावा, राजनीतिक दलों, चुनाव में खड़े उम्मीदवारों के खर्च के अलावा अन्य प्रकार का खर्च भी शामिल है। इसमें से 24 हजार करोड़ रुपए (40 फीसदी) खर्च उम्मीदवारों ने खुद किया था जबकि राजनीतिक दलों ने 20 हजार करोड़ रुपए (35 प्रतिशत), सरकार और चुनाव आयोग ने करीब 10 हजार करोड़ रूपए (15 प्रतिशत) मीडिया सपांसर 3 हजार करोड़ रुपए (5 प्रतिशत) और अन्य प्रकार के औद्योगिक खर्चों पर 3 हजार करोड़ रुपए (5 प्रतिशत) खर्च हुआ था। बात दें कि इतना खर्च तब हुआ था जब चुनाव में उम्मीदवारों के खर्च की सीमा 70 लाख थी, यह खर्च की सीमा 2022 में बढ़ा कर 95 लाख रुपए की गई है और इसी में ही 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस लिहाज से इस चुनाव में उम्मीदवारों का खर्च ही 35 प्रतिशत बढ़ेगा यानी उम्मीदवारों का 24 हजार करोड़ रुपए का खर्च ही 32 हजार करोड़ रुपए पहुंच सकता है। पिछले 26 साल में देश में लोकसभा के छह चुनाव हुए हैं और इस बीच चुनाव का खर्च 9000 करोड़ रुपए से बढ़ कर 60 हजार करोड़ रुपए हो गया है। 1998 के चुनाव में यह खर्च 9000 करोड़ रुपए था जबकि 2019 में यह खर्च 60 हजार करोड़ रुपए हुआ। 1998 में भाजपा ने चुनाव पर करीब 20 प्रतिशत खर्च किया था जबकि 2019 में भाजपा का खर्च बढ़ कर 45 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार 2009 में कांग्रेस ने कुल खर्च का 40 प्रतिशत खर्च किया था जबकि 2019 में यह कम हो कर 10-15 प्रतिशत हो गया।

29 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली(ईएमएस)। श्राइन बोर्ड ने रविवार को घोषणा की है कि 29 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यह यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। बोर्ड ने कहा कि 52 दिनों तक चलने वाली यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल को खोला जाएगा।

तमिलनाडु के पूर्वी तट पर 15 अप्रेल से मछली पकड़ने पर रोक

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के पूर्वी तट पर मछली पकड़ने पर 15 अप्रैल से वार्षिक 61 ?दिनों तक रोक रहेगी जो 14 जून तक जारी रहेगी। रविवार आधी रात से प्रतिबंध प्रभावी हो जाएगा। यह पाबंदी मछली पकड़ने के संसाधनों को संरक्षित करने के लिए लगाई गई है। इस दौरान बजरों सहित बड़ी मशीनीकृत नौकाओं को मछली पकड़ने की अनुमति नहीं होगी। राज्य सरकार ने प्र?तिबंध की अवधि के दौरान प्रति मछुआरा परिवार 6,000 रुपये की राशवि ?वित?रित की है। कासिमेडु के मछुआरों के नेता एंटनी फर्नांडीस का कहना है ?कि पिछले साल सरकार ने पाबंदी के दौरान प्रति परिवार 6,000 रुपये ?दिए थे, इस साल हम 8,000 रुपये की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि स्थानीय मछुआरों द्वारा देशी नावों, केट्टुवल्लम और कट्टुमाराम का उपयोग कर मछली पकड़ने पर पाबंदी नहीं है।

राजस्थान में बदला मौसम, आंधी बारिश से लोग हुए परेशान

- मौसम विभाग ने किया अलर्ट आज भी हो सकती है भारी बारिश

जयपुर,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में जैसे नेता पार्टी बदल रहे हैं वैसे ही राजस्थान के मौसम ने भी अपने रुख में बदलाव किया और आंधी-तूफान और बारिश ने लोगों को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जयपुर समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आई आंधी और बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है। बीकानेर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश से तापमान में 9.2 डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग के मुताबिक यह बदलाव अभी जारी रहेगा। आज भी राजस्थान के 28 जिलों में आंधी तूफान का येलो अलर्ट जारी किया है।

राजधानी जयपुर में शनिवार को दोपहर बाद मौसम ने ली। शाम को आई तेज आंधी से चारों ओर धूल का गुबार फैल गया। इससे लोगों का सड़कों पर वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजधानी के कई इलाकों में भी हल्की बारिश हुई। इससे तापमान में खासी गिरावट आई। रात को मौसम सुहावना हो गया। वहीं बीकानेर में हुई तेज बारिश ने पूरे शहर तरबतर कर दिया। सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद शहर का मौसम सुहाना हो गया और तापमान में गिरावट आई।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को बीकानेर के तापमान में खासी गिरावट आई। वहां तापमान 30 से 33 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। यह सामान्य से काफी कम रहा। वहीं जयपुर, अजमेर, कोटा और जोधपुर संभाग में भी तापमान सामान्य 36 से 39 डिग्री सेल्सियस रहा। उदयपुर संभाग में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। वहां तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को प्रदेश में सर्वाधिक तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस कोटा में दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए प्रदेश के 28 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. इनमें जयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, कोटा, राजसमंद, झुंझुनूं, करौली और सवाईमाधोपुर शामिल हैं। इनके अलावा जोधपुर, नागौर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, पाली और श्रीगंगानगर में भी आज तेज हवाओं और बारिश की भी संभावना है।

महाराष्ट्र में गुंडों की दहशत से सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहा सवालिया निशान

- अपराध मुक्त महाराष्ट्र के लिए पुलिस को देनी होगी खुली छूट

मुंबई, (ईएमएस)। इन दिनों महाराष्ट्र में दिन दहाड़े अपराध आम बात हो चुकी है. मुंबई समेत समूचे महाराष्ट्र में अपराध का ग्राफ बेतहाशा बढ़ा है. इसकी मुख्य वजह यही सामने आ रही है कि पुलिस के क्रिमिनल रिकार्ड के गुर्गे या तो बीजेपी का दामन थाम लिए हैं या फिर शिंदे सेना (शिवसेना) में शामिल हुए हैं. रविवार अल प्रातः तो हद ही हो गयी जब पूरी तरह सुरक्षा से लेस अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलिबारी ने महाराष्ट्र सहित पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. मुंबई में सलमान खान के निवास स्थान के बाहर 5 राउंड हुई फायरिंग ने महाराष्ट्र सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया ? कि जब पुलिस सहित निजी सुरक्षा रक्षकों से लेस रहने वाले बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग हो सकती है तो महाराष्ट्र के आम लोग कैसे सुरक्षित रहेंगे और उनकी सुरक्षा की गारंटी आखिर लेगा कौन ? पहले उत्तरप्रदेश को माफिया का प्रदेश माना जाता था लेकिन जब से यूपी की कमान बाबा आदित्य योगिनाथ ने संभाला तब से ही यूपी माफिया मुक्त हो चुका है. लेकिन महाराष्ट्र सरकार महाराष्ट्र को माफिया मुक्त क्यों नहीं कर पा रही है ऐसा सवाल खड़ा हो चुका है ? गौरतलब हो कि वर्ष 1997 में जब स्व.गोपीनाथ मुंडे राज्य के उपमुख्यमंत्री थे तब माफियाओं पर नकेल कसने के लिए उन्होंने पुलिस को पूरी तरह छूट दिया और इनकाउंटर से भयभीत हुए माफिया/गुंडा या तो पुलिस की गोलियों का शिकार बने या जेल में ही अपने आप को महफूज समझा था. यदि महाराष्ट्र में भी माफिया राज ख़त्म करना है तो महाराष्ट्र सरकार को पुलिस प्रशासन को छूट देनी होगी तब जाकर महाराष्ट्र अपराध मुक्त हो सकेगा. अन्यथा इसी तरह गोलियां बरसती रहेंगी और लोग भयभीत होते रहेंगे.

हॉस्टल में लगी भीषण आग, कई झुलसे, 70 छात्र को बचाया

- एक छात्र खिड़की से कूदा, पैर टूटा, अस्पताल में भर्ती

कोटा,(ईएमएस)। राजस्थान के कोटा शहर में एक हॉस्टल में आग लग गई जिसमें कई छात्र हॉस्टल के अंदर ही फंस गए। जिससे कई छात्र घायल हो गए। छात्र अपनी जान बचाने के लिए एक छात्र हॉस्टल की खिड़की कूद गया जिससे उसका पैर फैक्चर हो गया। सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों और पुलिस अधिकारियों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और सीढ़ी के जरिए दूसरे और तीसरे माले में मौजूद 70 छात्रों को बचाया।

जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह कुन्हारी इलाके के आदर्श हॉस्टल में एक ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट होने से आग हॉस्टल लग गई। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग तेजी से ऊपर की ओर फैल गई जिससे हॉस्टल में मौजूद छात्रों में दहशत फैल गई। एक छात्र आग से बचने के लिए कमरे की खिड़की से कूद गया, जिससे उसका पैर टूट गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस हादसे में सात छात्र मामूली रुप से झुलस गए और उन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। हॉस्टल में एक छात्र ने बताया कि आग लगने के समय सभी सो रहे थे। आग लगने का शोर सुना और बाहर भागे क्योंकि आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। हॉस्टल में आग से बचने के कोई सुरक्षा के उपाय नहीं हैं। मौके पर पहुंची दमकल ने बिना आग पर काबू पा लिया, लेकिन छात्रों का सामान पूरी तरह जल गया। हॉस्टल संचालक पर असुरक्षित प्रतिष्ठानों के लिए लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

कोटा सिटी एसपी ने पत्रकारों से कहा कि सुबह के साढ़े छह बजे के लगभग लक्ष्मण विहार इलाके के एक हॉस्टल में आग लगने की सूचना मिली थी। पांच माला इस हॉस्टल में 75 कमरे हैं। हादसे के समय 70 छात्र हॉस्टल में सो रहे थे। जिन छात्रों को चोट लगी, उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 8 छात्रों को अस्पताल भेजा गया था जिसमें से दो को भर्ती किया, बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम मामले की जांच कर रही है। हॉस्टल संचालक के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज कर कानूनी कारवाई की जाएगी। छात्रों को हॉस्टल एसोसियेशन दूसरे हॉस्टल में शिफ्ट करवा रहा है। अब उनकी और अभिभावकों की काउंसलिंग की जाएगी।

जन हितैषी

भाजपा का घोषणा पत्र बनाम संकल्प पत्र

भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसे संकल्प पत्र का नाम दिया गया है। इस घोषणा पत्र में तीसरी बार सत्ता में वापसी होने पर भारत में न्याय संहिता लागू की जाएगी। वन नेशन और वन इलेक्शन पर काम किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प पत्र के बारे में अपने संकल्पों को दोहराया। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसानों,युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए घोषणा पत्र में जो कहा है, उसके बारे में विस्तार से समझाया। मछुआरों के लिए बीमा की सुविधा, आदिवासियों के लिए मोटे अनाज को सुपरफुड के तौर पर दुनिया भर में पहचान बनाने, उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने, एसटी-एससी वर्ग के लिए विशेष कार्यक्रम, एकलव्य स्कूल खोलने, रामायण उत्सव मनाने,अयोध्या का विकास और भ्रष्टाचार खत्म करने जैसे कई संकल्पों की घोषणा की। ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट को समाप्त करने और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का बिना किसी भेदभाव के इलाज करने के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार गरीब, गांव और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए विशेष कार्यक्रम चलाएगी।भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में जिन विषयों को संकल्प रूप में दर्शाया गया है। वह कब और किस रूप में पूरे होंगे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। 2024 में 2047 का खाका जरूर खींचा गया है। 2014 से भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। पिछले 10 वर्षों में जो वायदे और संकल्प किए गए थे। समय-समय पर जो सपने और घोषणाएं भाजपा ने की थी। मतदाता अब 10 साल बाद उसे विश्वसनीयता की कसौटी पर कसने की मुद्रा में आ गया है। कांग्रेस पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया है। वह ज्यादा स्पष्ट,और मतदाताओं को लुभा रहा है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासी, एससी-एसटी वर्ग प्रत्येक परिवार को न्यूनतम आर्थिक गारंटी, बेरोजगार युवाओं को नौकरी पढ़ाई के बाद स्टाई फंड इत्यादि विषयों को शामिल किया गया है। अब भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र और कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मतदाता चर्चा करेंगे। 2024 की लोकसभा चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच में सीधा मुकाबला है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल 2014 और 2019 की तुलना में ज्यादा आक्रामक है। पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ने जो वायदे जनता से किए थे। उन वादों को कितने वायदे पूरे हुए? राम मंदिर, धारा 370, सीएए जैसे कानून भाजपा के घोषणा पत्र का राजनीतिक एजेंडा था। जो स्वतंत्रता के बाद से और 1990 से पार्टी चलाती आ रही थी। इससे सभी मतदाताओं का सीधा जुड़ाव नहीं था।महंगाई और बेरोजगारी पिछले 10 वर्षों में बढ़ी है। जो भारतीय जनता पार्टी के लिए एक चुनौती के रूप में सामने है। कांग्रेस पार्टी 10 सालों से सत्ता से बाहर है। राहुल गांधी ने जिस तरह से भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को समझा है। उन्हें कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल करके एक बड़ी चुनौती भारतीय जनता पार्टी के लिए खड़ी कर दी है। भाजपा ने आज जो घोषणा पत्र जारी किया है। उसमें स्पष्टता का अभाव है। जिसके कारण 10 वर्षों में जो-जो वायदे जनता से किए गए थे।उनके बारे में जो अविश्वसनियता मतदाताओं के बीच बन गई है। 2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है। मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच राष्ट्रीय स्तर पर है। पांच दशक तक कांग्रेस ने देश में राज किया है।कांग्रेस की पहचान मतदाताओं के बीच में है। कांग्रेस के कार्यों से जो नाराजी समय-समय पर बनी।आम जनता ने कांग्रेस के खिलाफ मत देकर उन्हें सत्ता से हटाया भी है। भारत के मतदाता समय-समय पर जो निर्णय लेते हैं। वह निश्चित रूप से मतदाताओं की समझदारी को प्रदर्शित करता है। 1977 के लोकसभा चुनाव आपातकाल के बाद हुए थे। उसमें जनता ने कांग्रेस को नकार दिया था। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेस सरकार बनी थी। गैर कांग्रेसी सरकार ने जिस तरह से इंदिरा गांधी के खिलाफ व्यक्तिगत उत्पीड़न की कार्यवाही की। उससे जनता 1980 में नाराज भी हो गई। 1980 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने इंदिरा गांधी को अपना नेता मान लिया था।भारी बहुमत से उन्हें केंद्र की सत्ता में बिठा दिया था। आम जनता भारत की बहुत समझदार है। समय-समय पर वह जो निर्णय लेती है, वह राजनेताओं को आश्चर्य चकित करते है। जो यह मानकर चलते हैं, कि वह जो कर रहे हैं। वही सब सही है। 1989 में कांग्रेस को जनता ने बोफर्स के आरोप में बहुमत नहीं दिया। 1991 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरी।केंद्र में नरसिंहराव के नेतृत्व में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी। 1996, 1999 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और अटल बिहारी बाजपेई के प्रति जनता ने विश्वास व्यक्त किया। 2004 में लोकसभा में जो चुनाव हुए थे। उसमें मतदाताओं ने कांग्रेस को बहुमत दिया।1989 से 2014 तक अल्पमत की सरकारें केंद्र की सत्ता में रहीं। 2014 से लेकर 2024 तक की भाजपा सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार थी। मतदाताओं ने भाजपा के प्रति जो विश्वास व्यक्त किया था। वह विश्वास मतदाता का बना रहेगा? इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की मतदाताओं की कसौटी पर 2024 में परीक्षा होगी।2004 से 2014 तक मनमोहन सिंह की सरकार थी। इस दौर में वैश्विक व्यापार संधि के कारण अर्थव्यवस्था में बड़ी तेजी से साथ सुधार आया था और 2014 से 2024 के बीच में भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर पर विकास हुआ है। इसका लाभ कुछ पूंजीपतियों को मिला है। आम जनता को जो लाभ मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। आम जनता के ऊपर पिछले 8 वर्षों में टैक्स और शुल्क बढ़ाए गए हैं। जिससे सरकार की आमदनी बढ़ी है। आर्थिक व्यापार संधि के अंतर्गत रिटेल व्यापार को कॉर्पोरेट के अंतर्गत लाये जाने के कारण, देश में महंगाई और बेरोजगारी पिछले 10 वर्षों में तेजी के साथ बढ़ी है। यही भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के 5 दिन पहले भारतीय जनता पार्टी अपना घोषणा पत्र लेकर आई है। इसका मतदाताओं में क्या असर पड़ता है। यह लोकसभा के चुनाव परिणाम से स्पष्ट होगा। यही कहा जा सकता है।

मतदान की अनिवार्यता और लोकतंत्र की दृढ़ता

सबको करना चाहिए, निश्चित ही मतदान।

लोकतंत्र मजबूत हो,बढ़े लोक की शान।।

मतदान नागरिकों को नागरिकता के महत्व का एहसास करने में भी मदद करता है। बहुत से लोग यह सोचते हुए वोट नहीं करते कि एक वोट से कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन जैसा कि यह तथ्य है। एक राष्ट्र की राजनीतिक नींव का उपयोग चुनावों के लिए किया जाता है। मतदान एक बुनियादी प्रक्रिया है जो एक देश की सरकारी प्रणाली को बनाती है। यह नागरिकों को अपनी सरकार चुनने में सक्षम बनाता है। यह लोगों को सरकार में अपने प्रतिनिधि चुनने की भी अनुमति देता है। प्रत्येक सरकार का उद्देश्य अपने नागरिकों के लाभ के लिए विभिन्न नीतियों का विकास और कार्यान्वयन करना है। यह मुद्दों और स्पष्टीकरण के बारे में सरकार से सवाल करने के अधिकार वाले व्यक्ति को भी सक्षम बनाता है। मतदान एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में एक नागरिक की राय व्यक्त करने का तरीका है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सक्रिय करने के लिए मतदान बहुत महत्वपूर्ण होता है। मतदान नागरिक का अधिकार है, साथ ही यह एक कर्तव्य भी है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार देते हैं। एक मतदान से सरकारें बदल सकती हैं, देश का विकास हो सकता है और समाज में बदलाव आ सकता है। मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार हमें संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ये प्रतिनिधि हमारी सरकार बनाते हैं और हमारे देश का शासन करते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

बहुत से लोग मतदान करना चाहते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को इसकी आवश्यकता और इसे डालने के तरीके के बारे में जानकारी नहीं होती है। यहीं पर मतदान जागरूकता काम आती है। मतदान जागरूकता का विचार लोगों को मतदान के महत्व को समझने में मदद करना है। मतदाताओं के लिए अपनी सरकार को नियंत्रित करने के लिए मतदान एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह नागरिकों के लिए मतदान के बारे में जागरूकता बढ़ाकर यह व्यक्त करने का एक तरीका है कि वे अपने नेताओं से क्या चाहते हैं। इससे बेहतर शासन मिलेगा और हर कोई चाहता है - एक ऐसा लोकतंत्र जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण हो। मतदान से नागरिकों को अपनी सरकार में अधिक शामिल होने और उसे जवाबदेह बनाए रखने में मदद मिलती है। मतदान करने के लिए, आपको विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। मतदान के अलावा, कुछ कानून भी हैं जो दुनिया भर में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करते हैं।

मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी बात रखना जरूरी है। सभी को वोट देने का अधिकार है, जिसका अर्थ है कि सभी भारतीय अपनी पसंद के प्रधान मंत्री के लिए वोट कर सकते हैं। मतदान करके, आप बदलाव ला सकते हैं और अपने समुदाय में बदलाव ला सकते हैं। मतदान करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आप किसी कानून को तभी निरस्त कर सकते हैं जब अधिकांश नागरिक उससे सहमत हों। मतदान अपनी सरकार के साथ अधिक नागरिक रूप से जुड़ने का एक तरीका है। अपनी आवाज़ सुनकर और उन लोगों के विचारों का प्रतिनिधित्व करके दुनिया में बदलाव लाना महत्वपूर्ण है जिनके पास कोई आवाज़ नहीं है। यदि आप बदलाव लाना चाहते हैं तो मतदान एक बेहतरीन तरीका है। चुनाव में मतदान करने से नागरिकों को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि देश को बेहतर अधिकार और सुरक्षा प्रदान की जाती है।

मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो हमारे देश के भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। मतदान राजनेताओं को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाए रखने में मदद करता है और हमारे लोकतंत्र के लिए रूपरेखा तैयार करता है

मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारा देश किस दिशा में बढ़े। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में किस तरह की सरकार हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का सही उपयोग करें। इसी को नैतिक मतदान करना कहा जाता है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य, ज़िला, तहसील व खंड स्तर पर व्यापक रूप में मतदाता जागरुकता (स्वीप)अभियान के माध्यम से जागरुकता लाई जा रही है। मेरे महाविद्यालय में भी प्राचार्य के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी व इलेक्ट्रल लिटरेसी क्लब के माध्यम से अनेक गतिविधियों द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाये जाने की सतत् कोशिशें हो रही हैं। यह यथार्थ है कि मतदान का प्रतिशत जितना अधिक होगा, लोकतंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा।

लोकतंत्र हमसे कहे,हो नैतिक मतदान।

अंधकार सब दूर हो,जनता का हो मान।।

(लेखक- -प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे/ ईएमएस)

आजाद के बाद गुमनाम हुए आजाद

आजादी दिलाने में जितने भी स्वतंत्रता सेनानी हैं उन्हें नमन करना जरुरी है क्योंकि वह खुद के लिए नहीं भारत माता की रक्षा हेतु अपने प्राणों की आहुति दी है , भारत को आजादी दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की ऐसी घटना सामने आती है जो गुमनाम हो गए जो देश के आदर्शों पर अपने प्राण कम उम्र में खुद ही लेकर शहीद हो गए । लेकिन जानकारी के अभाव में अक्सर लोग भूल जाते हैं लेकिन देशभक्त जो शहीद हो जाते हैं वो भी खुद गोली अपने सर में चलाकर इतना बड़ा देशप्रेम में कई चेहरे हैं जो पाठयक्रम में शामिल नहीं किया गया ना ही उसपर किसी राजनेता का ध्यान गया अब गुमनाम-सा हो रहें हैं क्योंकि क्रोई भी राजनीति पार्टी को देश के शहीदों को भी अपने हिसाब से याद करते हैं ऐ पुरानी राजनीती परंपरा को बदलने की आवश्यकता है आज से करीब 93साल पहले 27 फरवरी 1931 को, प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेजों से लड़ते हुए वह शहीद हो गए थे। आज भी लोग आजाद का नाम बहुत सम्मान से लिया करते हैं।चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भावरा गाँव में हुआ था। उनका पूरा नाम चंद्रशेखर तिवारी था। देश के लिए उनके बलिदान को देखते हुए उनके गाँव का नाम आजादपुरा रख दिया गया है। 1922 में आजाद की मुलाकात राम प्रसाद बिस्मिल से हुई जिसके बाद उनका जीवन ही बदल गया और उन्होंने देश को अंग्रजों से आजाद करवाने की कसम खाई। उनके नाम से अंग्रेजी हुकूमत थर-थर कांपा करती थी।ब्रिटिश सरकार ने एक बार उन्हें बचपन में 15 कोड़ों की सजा दी थी, तब आजाद ने कसम खाई थी कि वह दोबारा पुलिस के हाथ कभी नहीं आएंगे। वह अक्सर गुनगुनाया करते थे।।दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे।।।आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे। काकोरी कांड में भी जब सभी क्रांतिकारी पकड़े गए थे, तब भी चंद्रशेखर आजाद को कोई नहीं पकड़ सका था। चंद्रशेखर आजाद ने कसम खाई थी कि चाहें कुछ भी हो जाए लेकिन वह जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे। इसलिए जब 27 फरवरी 1931 को अंग्रेजों ने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में उन्हें चारों तरफ से घेर लिया था तो उन्होंने अकेले ही ब्रिटिश सैनिकों से मुकाबला किया। जब उनकी रिवाल्वर में आखिरी गोली बची तो उन्होंने खुद पर ही गोली चला दी, जिससे वह जिंदा न पकड़े जाएँ। आजाद को डर था कि अगर वह जिंदा पकड़े गए तो अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से मिटाने का उनका सपना अधूरा रह जाएगा। दरअसल आजाद अल्फ्रेड पार्क में भगत सिंह को जेल से निकालने समेत कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर अपने साथियों के साथ बैठक कर रहे थे लेकिन तभी उन्हें खबर लगी कि अंग्रेजों ने पार्क को चारों तरफ से घेर लिया है। आजाद ने अंग्रेजों से अकेले ही मुकाबला करते हुए अपने साथियों को पार्क से बाहर निकाल दिया, जिससे भारत की आजादी के लिए बनाई उनकी योजनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े। जब उनकी रिवाल्वर में आखिरी गोली बची तो उन्होंने अंग्रेजों के हाथ आने की वजाय खुद के जीवन को खत्म करना चुना और उस आखिरी गोली से अपना जीवन खत्म कर दिया।आज ऐ आलम है कि कुछ गिने चुने कॉलेज और कुछ ही फोटो गूगल में मिलती है जो चिंता का विषय है एक बार प्रयागराज में किसी सामाजिक संस्थान ने चंद्रशेखर आजाद की याद में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ वहाँ लाचारी से मुझे भी जाने का अवसर मिला जहाँ बड़े बड़े कॉलेज के प्रोफेसर थे मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि मेरे पेपर स्वीकार किए जायेंगे वहाँ ऐ मालूम हुआ कि उनके बारे में जानकारी सोशल मीडिया में बहुत ही कम थी और लगभग सभी को बुलाया गया वहाँ के प्रोफेसर ने बताया की उनके बहुत सारे दस्तावेज जो उनके शहीद होने पर थी वो गायब हो गई या हटा दिया गया मैं तो किसी ज़माने में देश की आजादी पर बनी एक फ़िल्म में उनके साहस और दे देशभक्ति का जज्बा देखकर लिखा और अच्छी लगी लेकिन बहुत सारी सोशल मिडिया ने मौन ब्रत धारण कर लिया और कुछ पाठयक्रम में जानकारी का अभाव होना शर्मिंदा की बात है स्व चंद्रशेखर आजाद का प्रयाग राज में एक विश्वविद्यालय है और मप्र में एक संग्रहालय है उसके अलावा कहीं कहीं गली का नाम होगा, आनेवाले समय में ऐसे सच्चे देश भक्त अवश्य याद करना चाहिए एक ऐसे देशभक्त जो देश को आजाद कराने के लिए ना तो डरा ना ही झुका को उनकी शहादत पर शत शत नमन, भारत माँ का वीर सपूत कभी मरता नहीं है देश ही उसके लिए सर्वोपरि है इस पर ध्यान देना जरुरी है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

वीरेंद्र रावत को जीत का वरदान दे गई प्रियंका गांधी!

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी 13 अप्रैल को पहले रामनगर और फिर दोपहर बाद रुड़की पहुंचीं। उन्होंने दोनों चुनावी जनसभाओ को संबोधित किया।रुड़की में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत के समर्थन में वोट देने की अपील की तथा वीरेंद्र रावत को जीत का वरदान दिया।खचाखच भरी जनसभा में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, सह प्रभारी दीपिका पांडेय, पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, एआईसीसी व पीसीसी सदस्य, जिला एवं महानगर कांग्रेस अध्यक्ष, अनुषांगिक संगठन, विभाग व प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व पदाधिकारी समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओ के साथ साथ बड़ी संख्या में आमजनता मौजूद रही। लोकसभा चुनाव के लिए उत्तराखंड में मतदान 19 अप्रैल को होना है,इसलिए प्रियंका गांधी के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी समेत कुछ अन्य नेता चुनाव प्रचार की समाप्ति से पहले पहले उत्तराखंड आ सकते है।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने नैनीताल के रामनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, आप कब तक कांग्रेस पर आरोप लगाते रहेंगे। कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से सत्ता में नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से वे यानि भाजपा सत्ता में हैं। पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में हैं, अब वे कहते हैं 400 पार उन्हें और अधिक बहुमत चाहिए। वे कहते हैं कि 75 वर्षों में कुछ नहीं किया गया, तो उत्तराखंड में ऐसे कौशल कैसे विकसित हुए, जहां से आईआईटी, आईआईएम और देश में एम्स आए, चंद्रमा पर चंद्रयान उतरा, अगर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इन्हें नहीं बनाया होता तो क्या यह संभव था?प्रियंका गांधी की रामनगर व रुड़की रैली ने न सिर्फ कांग्रेस में जोश भरने का काम किया ,बल्कि कांग्रेस प्रत्याशियो को भी वे जीत की संजीवनी दे गई।रुड़की जनसभा में हरिद्वार के पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह को प्रियंका गांधी ने कांग्रेस जुवाईन कराई तो भगवानपुर की कांग्रेस विधायक ममता राकेश के पुत्र व पुत्री जो पिछले दिनों भाजपा में चले गए थे,ने आज फिर कांग्रेस में वापसी की।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उन्हें कांग्रेस का पटका पहनाया।भारी सुरक्षा व्यवस्था के चलते कांग्रेसियों को प्रियंका गांधी से मिलने के लिए दो घण्टे से ज्यादा समय तक लाइन अप में खड़े रहे,लेकिन जब प्रियंका गांधी आई तो वे लाइन अप में किसी से भी व्यक्तिगत रूप से नही मिली और हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच पर चली गई।टिहरी के लोकसभा प्रत्याशी जोत सिंह गुनसोला व पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी को पुलिस ने घण्टो तक आमजनता के बीच खड़े रखा और बड़ी मुश्किल से वे बाद में मंच तक पहुंच पाए।

वही दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिबरहेड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस को जन विरोधी बताया और जनता से कहा कि उनके वहकावे में न आकर बसपा के पक्ष में करे वोट।हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र के लिब्बरहेडी गांव में सभा को संबोधित करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी जमील अहमद कासमी, पौडी लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी दीप सिंह बिष्ट,टिहरी लोकसभा प्रत्याशी नेमचंद के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ईवीएम के सहारे एक बार फिर सत्ता में आने का प्रयास करेगी सभी को इससे सतर्क रहना है और बसपा के पक्ष में मतदान करना है। कहा कि भाजपा सरकार ने आज तक लोगों का उत्पीड़न किया है गरीबी महंगाई आदि से जनता त्रस्त है। कहा कि धर्म के नाम पर लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है।हल्द्वानी में वर्षो पुराने मस्जिद को तोड़कर भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज भ्रष्टाचार चरम पर है। देश की सीमाएं भी सुरक्षित नहीं है। केंद्र की गलत नीतियों और कार्य प्रणाली को लोग आजमा चुके हैं। विरोधी पार्टियां साम दाम दण्ड भेद हर हतकंडा अपना कर सत्ता में आने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने अपील की कि विरोधी दलों के झूठे वादों और घोषणा पत्र के झांसे में नहीं आना है। बसपा घोषणा पत्र जारी नही करती केवल कार्य करने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के बहकावे में नहीं आना है बल्कि सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय वाली पार्टी बसपा को ही वोट देना है। बसपा सरकार में हर वर्ग के हितों का ध्यान रखा जाएगा। हरिद्वार किसी समय में बसपा का गढ़ माना जाता रहा है। यहां बसपा सुप्रीमो की जनसभा में कभी पदाधिकारियों को मेहनत नहीं करनी पड़ी। बड़े से बड़े मैदान को भरने का रिकॉर्ड तक पहले बसपा के नाम रहा है लेकिन आज की रैली ने बसपा पदाधिकारियों की जमीनी स्तर पर पोल खोल कर रख दी है।मायावती के मंच पर होने के दौरान भी पंडाल में लगाई गई करीब चालीस प्रतिशत कुर्सियां खाली ही पड़ी रही। वहीं मायावती भी शायद इस परफॉर्मेंस से खुश नहीं नजर आई होंगी। वह मंच से बोली और भाषण खत्म करने के साथ ही सीधे सीढ़ियों की ओर बढ़ी और नीचे उतर गई।इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी सुरेश आर्य,प्रदेश प्रभारी शमशुदीन राइन,प्रदेश अध्यक्ष चौधरी शीशपाल, लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद, प्रदीप चौधरी, नत्थू सिंह, मोंटी रहमान आदि मौजूद रहे। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

भूतो न भविष्यति....जब ग्वालियर से अटल जी ने खाई मात...

भारत की सियासत में अनेक नेता अजेय माने जाते है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ऐसे ही नेताओं में से एक थे ,लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने 1985 का लोकसभा चुनाव सिंधिया परिवार को टूटने से बचाने के लिए किया गया एक बड़ा बलिदान है। अटल जी ने उस चुनाव में अपने सियासी जीवन की सबसे बड़ी पराजय का सामना किया था। अटल जी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे।

माधवराव सिंधिया ने 1971 ,77 और 1980 का लोकसभा चुनाव गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से लड़ा था । माधवराव सिंधिया को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों ने पूरी ताकत लगाई लेकिन वो कभी चुनाव नहीं हारे। बाद में माधवराव सिंधिया कांग्रेस में शामिल हो गए और 1985 में कांग्रेस ने भाजपा के सबसे बड़े नेता अटल बिहारी बाजपेयी को हारने के लिए माधवराव सिंधिया को तुरुप के पत्ते की तरह इस्तेमाल करते हुए गवालियर सीट सेअटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ ग्वालेऔर सीट से मैदान में खड़ा कर दिया। ये फैसला नामांकन पत्र भरने के अंतिम क्षणों में हुआ बाजपेयी के खिलाफ किसी दूसरी सीट से नामांकन भरने का वक्त ही नहीं बचा था।

मुझे याद है कि उस समय राजमाता और माधवराव सिंधिया के बीच दूरियां बढ़ने लगी थी। माधवराव सिंधिया जनसंघ छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। जिस कारण से राजमाता नाराज थीं। ऐसे में राजमाता ने भी 1984 का लोकसभा चुनाव ग्वालियर से लड़ने की बात कही थी। अटल बिहारी वाजपेयी को जैसे ही राजमाता के ग्वालियर से चुनाव लड़ने की भनक लगी वो सीधे ग्वालियर आकर राजमाता से मिले और कहा कि मैं कोटा की जगह ग्वालियर से चुनाव लड़ूगा।अटल जी ने ये प्रस्ताव भावुकता में किया था ,उन्हें क्या पता था कि उनका ये फैसलना आत्मघाती साबित होगा। माधवराव सिंधिया ने उन्हें करीब पौने दो लाख वोटों से हराया था।

भाजपा 1984 के लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी के लिए एक सुरक्षित सीट की तलाश में थी। जिसके लिए पहले कोटा और बाद में ग्वालियर सीट पर विचार किया गया,अंत में ग्वालियर सीट से उनका नाम फाइनल किया था क्योंकि ये सीट राजमाता के प्रभाव वाली सीट थी। मजे की बात ये है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने ग्वालियर से चुनाव लड़ने से पहले माधवराव सिंधिया से पूछा था कि आप ग्वालियर से तो चुनाव नहीं लड़ेंगे ? दोनों के रिश्ते बहुत मधुर थे। माधवराव सिंधिया ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे तो गुना से चुनाव लड़ते हैं। ग्वालियर से क्यों लड़ेंगे ?। लेकिन ऐन मौके पर जब राजीव गांधी ने माधवराव सिंधिया की सीट बदल दी तो खुद माधवराव सिंधिया अवाक रह गए।

1984 -85 में अटल बिहारी वाजपेयी वैसे तो माधवराव सिंधिया की उम्मीदवारी सामने आते ही आधा चुनाव हार गए थे ,लेकिन उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। पांव में तकलीफ के बाद भी वे प्लास्टर बांधकर चुनाव प्रचार करतें प। भाजपा के कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अटल जी कि ऊँट पल पर हुई सभा में बम रखे होने की अफवाह उड़ाई और एक नारियल छिपकर रख दिया लेकिन हवा को नहीं बदलना था ,सो नहीं बदली। अटल जी मन मारकर गलीई-गली चुनाव प्रचार करते रह। खुद राजमाता ने सार्वजनिक रूप से अटल जी का प्रचार किया लेकिन उनका दिल आपने बेटे की जीत के लिए धड़क रहा था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी राजमाता के मन की बात सुनी और अटल जी का साथ छोड़ दिया। अटल जी को चुनाव है=रना था सो चुनाव हार गए। चुनाव परिणामों की अंतिम घोषणा से पहले ही अटल जी ने कुछ चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में एक खीज भरी मुस्कराहट बिखेरते हुए कहा कि - ग्वालियर से चुनाव लड़कर मैंने मां - बेटे की लड़ाई को महल तक सीमित रहने दिया। उसे सड़क पर नहीं आने दिया।

मुझे अच्छी तरह से याद है कि अटल जी ने कहा था कि- अगर मैं इस सीट से चुनाव नहीं लड़ता तो माधवराव सिंधिया के खिलाफ राजमाता चुनाव लड़ जाती और मैं यही नहीं चाहता था। आपको याद होगा कि राजमाता में राजहठ बहुत था। इससे पहले वे पार्टी के मना करने के बावजूद रायबरेली से इंदिरा गाँधी के खिलाफ चुनाव लड़कर हार चुकी थी।भाजपा कि सिंधिया परिवार के प्रति भक्ति अटल जी की हार का कारण बनी । कांग्रेस ने जब माधवराव सिंधिया को कांग्रेस से बाहर कर दिया था उस समय भी भाजपा ने सिंधिया को ग्वालियर से वॉक-ओव्हर देते हुए अपने प्रत्याशी को मैदान से हटा लिया था,वो भी केवल राजमाता की वजह से।

1984 -85 के लोकसभा चुनाव में पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पिता माधवराव सिंधिया के समर्थन में रैली की थी। ये उनकी पहली रैली थी। उस समय ज्योतिरादित्य सिंधिया की उम्र मात्र 14 साल थी। उन्होंने अपनी मां के साथ अपने माधवराव सिंधिया के लिए चुनाव प्रचार किया था। वहीं, राजमाता ने चुनाव प्रचार में केवल एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि एक ओर पूत है, दूसरी ओर सपूत। (लेखक-राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7977

बाएँ से दाएँ

1.घूमना-फिरना-4
4.पक्षियों का शोर-4
7.धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9.भस्म,खाक -2
11.आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12.मगन,लीन-2
13.नेत्रावरण-3
15.त्याग,दक्षिणा-2
16.जीभ,जिव्हा-3
17.मक्खन-3
18.पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19.गर्भ-3
21.निवास,रहना-2
23.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.पानी,नीर-2
25.इच्छा पूर्ति करना-5
29.एक मुस्लिम महीना-4
30.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

1.अनबन,झगड़ा-4
2.भालू-2
3.परिणाम-2
4.प्याला-2
5.बालों का गुच्छा-2
6.वर,इच्छापूर्ति-4
8.नीरज,जलज-3
10.भयानक-5
11.दयालु-5
13.आश्रय,शरण-3
14.करिश्मा,करतब-3
18.तहखाना-4
20.मगरमच्छ-3
22.शलवार,पायजामा-4
25.आनंद-2
26.झुका हुआ-2
27.पत्र,चिट्ठी-2
28.नासिका,घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -7976 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

मेसी ओर सुआरेज के गोल से जीती इंटर मियामी

कैंसास सिटी (ईएमएस)। लियोनेल मेसी के शानदार गोल से इंटर मियामी सीफ ने मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) में स्पोर्टिंग कैनसस सिटी को 3-2 से हरा दिया। मेसी ने इस मैच में एक गोल किया जबकि एक गोल में लुइस सुआरेज की सहायता की।

वहीं टीम की ओर से तीसरा गोल डिएगो गोमेज ने किया। मेसी और सुआरेज के होने से इस लीग का आकर्षण बढ़ा और भारी तादाद में लोग मैच देखने पहुंचे। एमएलएस लीग में दर्शकों से भरे स्टेडियम में मेसी ने इस इंटर मियामी की ओर से सत्र का अपना पांचवां जबकि सुआरेज ने छठा गोल दागा। वहीं स्पोर्टिंग कैनसस सिटी की ओर से दोनों गोल एरिक थॉमी ने किये। ये मैच काफी रोमांचक रहा।

अभी संन्यास का इरादा नहीं : रोहित

मुम्बई (ईएएस)। मुम्बई इंडियंस टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे और खेलते रहेंगे। 36 साल के रोहित ने कहा, मैं इस समय अच्छा खेल रहा हूं और मैं कुछ और वर्षों तक इसे जारी रखने के बारे में सोच रहा हूं। मैं इस बार टी20 विश्व कप जीतना चाहता हूं। साथ ही कहा कि 50 ओवर का विश्व कप ही वास्तविक विश्व कप है। हम 50 ओवर का विश्व कप खेल देखकर बड़े हुए हैं। अगले साल 2025 में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल होगा और उसमें भी हमें फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है। उम्मीद है, हम वहां पहुंचेंगे। रोहित ने टीम का नेतृत्व करने के अपने कौशल से हार्दिक को भी सहायत की है। इसी कारण मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद हार्दिक के नेतृत्व में टीम खराब शुरुआत से उबरने लगी है। पहले तीन मैचों में मिली हार के बाद टीम ने पिछले दो मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा रोहित अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में एक बार फिर इसका उदाहरण देखने को मिला जब रोहित अपनी आईपीएल टीम मुंबई की बस की ड्राइविंग टीम पर बैठे दिखे। इस दौरान रोहित ने लोगों को पीछे हटने के लिए भी कहा, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है।

विराट ऑरेंज और चहल पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 2024 सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाकर आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग और संजू सैमसन दूसरे व तीसरे नंबर पर हैं। दूसरी ओर पर्पल कैप को लेकर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल और मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बीच कड़ा मुकाबला है। पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के बाद एक बार फिर चहल ने पर्पल कैप के लिए अपनी दावेदारी बढ़ा दी है। चहल ने पंजाब के खिलाफ एक विकेट लेकर आईपीएल सत्र में इस बार सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। वहीं गुमराह अब दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है। वहीं ऑरेंज कैप पर अभी भी विराट का कब्जा है। विराट 319 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक स्थान पर हैं।वहीं रियान पराग 284 रनों के साथ दूसरे जबकि सैमसन 264 रनों के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं।

हेटमायर की आतिशी बल्लेबाजी से रॉयल्स जीती

मल्लांपुर(ईएमएस)। शिमरोन हेटमायर के अंतिम ओवरों में लगाये गये दो छक्कों की सहायता से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही रॉयल ने अपनी पांचवीं जीत दर्ज की है। हेटमायर का इस मुकाबले में स्ट्राइक रेट 270 रन रहा। उन्होंने 10 गेंदों पर नाबाद 27 रन बनाकर मैच को बेहद रोमांचक बनाया। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। हेटमायर ने अपनी इस बल्लेबाजी पर खुशी जतायी है।

इस मैच में रॉयल्स को जीत के लिए अंतिम 14 गेंद में 30 रन की जरूरत थी। ऐसे में हेटमायर और रोवमैन पोवेल ने पांच गेंद में ही 11 रन बना दिये। इस प्रकार उनकी टीम को 6 मैच में 5वीं जीत मिली। हेटमायर ने अपनी पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए। इससे पंजाब से मिले 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन बनाकर जीत हासिल की।

हेटमायर ने जीत के बाद कहा, 'यह पारी केवल अभ्यास के कारण संभव हुई है, मैं नेट सत्र पर बड़े शॉट खेलने का प्रयास करता हूं। मैं छक्के मारने के पूरे प्रयास करता हूं। मुझे खुशी है कि मैंने आज अपनी टीम की सहायता की है। 'राजस्थान रॉयल्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी पर अर्शदीप ने शुरुआती दो गेंद में एक भी रन नहीं दिया जिसके बाद रायल्स की हार तय हो गयी थी।

इसी को लेकर हेटमायर ने कहा, 'शुरुआती दो गेंद के बाद दबाव बन गया था पर फिर मैंने गेंद को तेजी से मारने का प्रयास किया।' उन्होंने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर दो रन लेने के बाद छक्का लगा दिया।

नेपाल के दीपेंद्र एक ही ओवर में छह छक्के लगाने वाले विश्व के तीसरे क्रिकेट बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाल के क्रिकेटर दीपेंद्र सिंह ऐरी ने कतर के खिलाफ एक मुकाबले में छह गेंदों पर छह छक्के लगाकर एक अहम रिकार्ड बनाया है। इसके साथ ही दीपेंद्र ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप में एक ओवर में लगातार 6 छक्के लगाने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले भारत के युवराज सिंह और विंडीज के कीरोन पोलार्ड के नाम एक ओवर में छक्के छक्के का रिकार्ड है। दीपेंद्र ने एसीसी मेंस टी20 प्रीमियर कप में कतर के खिलाफ मुकाबले के अंतिम ओवर में ये अहम उपलब्धि हासिल की।

दाएं हाथ के बल्लेबाज दीपेंद्र ने नीदरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2018 में डेब्यू किया था। वह नेपाल के उभरते हुए ऑलराउंडर हैं। बल्लेबाजी के साथ ही वह ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी करते हैं। पिछले साल 2023 सितंबर और अक्टूबर में चीन के हांगझोउ में आयोजित एशियाई खेलों में केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर दीपेंद्र ने सभी का ध्यान खींचा था। इस प्रकार उन्होंने युवराज के 2007 के विश्व कप में 12 गेंदों पर अर्धशतक लगाने के रिकार्ड को तोड़ा था।

दीपेंद्र एक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैं। 17 साल की उम्र में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। दीपेंद्र 2016 अंडर 19 विश्व कप में भी खेल चुके हैं। उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। वह पहली गेंद से ही प्रहार करना शुरू कर देते हैं। वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों क्षेत्रों में टीम के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कतर के खिलाफ मैच में नाबाद 64 रन बनाए। नेपाल ने इस मैच को 32 रन जीता। दीपेंद्र को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। उन्होंने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए थे। दीपेंद्र ने 55 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 896 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक बनाये थे। उनका एकदिवसीय में सबसे अधिक स्कोर 105 रन रहा है. गेंदबाजी में दीपेंद्र ने अपनी स्पिन बॉलिंग से 38 विकेट लिए हैं। उनके नाम 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1560 रन हैं।

जेक फ्रेजर ये सिर्फ ट्रेलर.....संकट में आया गिल का रिकॉर्ड

लखनऊ (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 22 साल के जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया। जेक फ्रेजर को आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को रूप में दिल्ली ने अपने साथ जोड़ा था। अपने आईपीएल करियर की दूसरी ही गेंद पर जेक फ्रेजर ने छक्के से अपना खाता खोला। उनका दूसरा स्कोरिंग शॉट भी छक्का था। उनका दूसरा छक्का 96 मीटर लंबा था।

युवा विदेशी बल्लेबाजों के लिए भारतीय सरजमीन पर में आकर रन बनाना इतना आसान नहीं होता। कई बल्लेबाज आते हैं लेकिन स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट जाते हैं। लेकिन जेक फ्रेजर के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने आईपीएल के सबसे कंजूस गेंदबाजों में शामिल क्रुणाल पंडया की ही खबर ले ली। क्रुणाल के खिलाफ हैट्रिक छक्का जड़ने के साथ ही उन्होंने सिर्फ 31 गेंदों पर डेब्यू मैच में ही फिफ्टी ठोक दी।

जेक फ्रेजर ने 35 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली, जिसकी हर जगह चर्चा हो रही है। लेकिन यह सिर्फ ट्रेलर है। मैकगर्क इससे कहीं ज्यादा खतरनाक बैटिंग कर सकते हैं। प्रोफेशनल क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड मैकगर्क के ही नाम है। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में शतक ठोका था। उसके पहले सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने आईपीएल में 30 गेंदों पर सेंचुरी ठोकी थी। अब उनके आईपीएल में आने यह यह रिकॉर्ड भी खतरे में है। लखनऊ की पिच पर गेंदबाजों के लिए भी मदद थी। इसके बाद भी मैकगर्क ने तेजी से रन बनाए।

आईपीएल 2024: आरसीबी और सनराइजर्स का मुकाबला आज

बेंगलुरु (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां आईपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। आरसीबी की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल एक मैच ही जीत पायी है। इससे टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। ऐसे में उसका लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच में जीत दर्ज कर अपनी लय हासिल करना रहेगा। टीम की विफलता का कारण बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोर प्रदर्शन रहा है। बल्लेबाजी के दौरान अब तक केवल विराट कोहली ही रन बना पाये हैं जबकि अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। वहीं गेंदबाजी भी प्रभावहीन रही है। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स का प्रदर्शन उसके मुकाबले कहीं अच्छा रहा है और वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स ने अब तक 5 में से 3 मैच जीते हैं। सनराइजर्स पिछले 2 मैच जीती है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसने इस सत्र में आईपीएल का सबसे बड़ स्कोर भी बनाया है। ऐस में बेंगलुरु की एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर उसे रोकना आरसीबी के लिए बेहद कठिन रहेगा। इस मैदान पर गेंदबाजों को खासा संघर्ष करना पड़ता है। गेंद बल्ले पर आसानी से आती है वहीं मैदान भी काफी छोटा है, जिसके कारण जमकर चौके और छक्के लगते हैं। स्पिनर्स को हालांकि यहां कुछ सहायता मिलती है। जिसका लाभ दोनो ही टीमों के स्पिनर उठाना चाहेंगे। इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन का टारगेट भी जीत के लिए पर्याप्त नहीं होता।

आईपीएल के इतिहास में इस मैदान पर अब तक कुल 91 मैच खेले गए हैं, जिसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 38 जबकि दूसरी बार बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 49 में जीत दर्ज की है। ऐसे में आरसीबी को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो विराट के अलावा उसके कप्तान फाफ डु प्लेसी और अन्य बल्लेबाजोंको भी रन बनाने होंगे। वहीं सनराइजर्स के पास ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन जैसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को धवस्त कर सकते हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार है-

सनराइजर्स हैदराबादः जयदेव उनादकट, जे सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

ईरान और इजराइल में जंग छिड़ी तो कच्चा तेल जा सकता है 100 डॉलर के पार!

मुंबई (ईएमएस)। ईरान ने इजराइल पर ड्रोन हमले किए हैं, वहीं दूसरी ओर इजराइल और अमेरिका के बीच जवाबी कार्रवाई के लिए बातचीत जारी है। जानकारों का कहना है ?कि ईरान और इजराइल में जंग की वजह से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। ईरान ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। अगर इजराइल भी ईरान पर हमले करता है, साथ ही अमेरिकी सरकार ईरान पर प्रतिबंध लगाता है तो कच्चे तेल के दाम भी तेजी से उछाल आएगा। जानकारों की मानें तो पहले ही कच्चे तेल की सप्लाई और उत्पादन दोनों की समस्या थी। अब मिडिल ईस्ट की टेंशन में ईरान का उतरना और भी ज्यादा क्राइसिस पैदा करेगा। अब दुनिया के उन तमाम देशों को महंगे कच्चे तेल के लिए तैयार रहना होगा जो अपनी जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात पर ?निर्भर करते हैं। कच्चा तेल महंगा होने से ऐसे देशों में महंगाई में बढ़ोतरी भी देखने को मिलेगी। ईरान ने इजराइल पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इजराइल भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है। साथ ही अमेरिकी सरकार के साथ बड़ी कार्रवाई करने के लिए बातचीत कर रहा है। ऐसे में अमेरिका ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने जैसी कार्रवाई कर सकता है।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक बाजारों में 13,300 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति तथा आर्थिक वृद्धि की बेहतर संभावनाओं के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 13,300 करोड़ रुपये से अधिक का ?निवेश ?किया है। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि आगे चलकर भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलावों पर चिंता एफपीआई प्रवाह पर असर डालेगी। यह स्थिति नई संधि के विवरण पर स्पष्टता आने तक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि एक और बड़ी चिंता पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान-इजराइल के बीच तनाव बढ़ रहा है जिसका असर निकट अवधि में एफपीआई के निवेश पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) के पास काफी नकदी है। इसके अलावा खुदरा निवेशक तथा उच्च संपदा वाले व्यक्ति यानी एचएनआई भारतीय बाजार को लेकर आशान्वित हैं। ऐसे में एफपीआई की बिकवाली की भरपाई यहां से हो जाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 12 अप्रैल तक भारतीय शेयरों में 13,347 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हालांकि भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलाव की आशंका के चलते शुक्रवार को एफपीआई ने 8,027 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा कि वृद्धि संबंधी चिंताओं के कारण फिच द्वारा चीन की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से घटाकर नकारात्मक करने की वजह से भारतीय बाजारों को भारी निवेश मिला है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानसून सामान्य रहने की उम्मीद तथा मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच वृद्धि तेज रहने की उम्मीद से भी एफपीआई का भारतीय बाजारों को लेकर आकर्षण बढ़ा है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,522 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल किए जाने की घोषणा के बाद से एफपीआई भारतीय बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं। उन्होंने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कुल मिलाकर, इस साल एफपीआई अब तक शेयरों में कुल 24,241 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। ऋण या बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 57,380 करोड़ रुपये रहा है।

15मिनट में शून्य से 100 फीसदी चार्ज करता रैपिड चार्जिंग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग बढ़ती जा रही है। ईवी सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को एक पैसेंजर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया गया, जो 15 मिनट में पूरी तरह चार्ज होता है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने तेजी से चार्ज होने वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर के लिए एक्सपोनेंट एनर्जी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 3,24,999 रुपये की कीमत पर 'ओएसएम स्ट्रीम सिटी क्विक'ईवी 6 शहरों में मौजूद एक्सपोनेंट के रैपिड चार्जिंग नेटवर्क पर 15 मिनट में शून्य से 100 फीसदी तक चार्ज करता है।

ओमेगा सेकी मोबिलिटी के फाउंडर चेयरमैन ने कहा कि सड़क पर डाउनटाइम को कम करके और दक्षता को अधिकतम करके क्विक यह सुनिश्चित करता है कि हर यात्रा वाहन पर 2 लाख किलोमीटर या 5 साल, जो भी पहले हो, की वारंटी है. एक्सपोनेंट एनर्जी ने एक बयान में कहा कि वह इस साल दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में 100 चार्जिंग स्टेशन शुरू करेगी, जबकि चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद में अपने नेटवर्क का विस्तार भी करेगी।

एक्सपोनेंट एनर्जी के को-फाउंडर और सीईओ ने कहा कि ईवी या आईसीई व्हीकल की तुलना में यूजर द्वारा अपने एक्सपोनेंट-संचालित ईवी से प्राप्त होने वाले उच्चतम संभावित लाभ को अनलॉक करता है। पैसेंजर ईवी में 8.8 किलोवाट का बैटरी पैक है और यह एक बार चार्ज करने पर 126 किलोमीटर तक चलता है। देश में यात्री तिपहिया वाहनों की बिक्री जनवरी में 53,537 इकाई को पार कर गई थी।

दो मुस्लिम देशों ने इजराइल पर हुए हमले को रोकने में की मदद
ईरान की ओर से दागे ड्रोन और मिसाइलों को रास्ते में ही मार गिराया

तेल अवीव,(ईएमएस)। ईरान ने शनिवार-रविवार रात इजराइल पर हमला बोल दिया। ईरान ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों इजरायल पर दागे, जिनमें से अधिकांश को इजरायल ने हवा में मार गिराने का दावा किया है। कुछ इजरायली इलाके में गिरे हैं, जिनमें से एक इजरायली सेना के दक्षिणी बेस पर भी गिरा है। वहीं सूत्रों से जानकारी मिली है कि ईरानी हमले को रोकने के लिए दो मुस्लिम देशों ने खुलकर इजरायल का साथ दिया है और ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को रास्ते में गिरा दिया।

एक इजरायली अखबार ने सूत्र के हवाले से बताया है कि जॉर्डन के जेट विमानों ने इजरायल की ओर आने वाले दर्जनों ड्रोन को मार गिराया। जॉर्डन का इजरायल को मदद भेजना एक बड़ा कदम है, क्योंकि अम्मान ने इसके पहले गाजा में अभियान के लिए इजरायल की भारी आलोचना की है। सूत्रों का कहना है कि ईरानी ड्रोन जॉर्डन घाटी की ओर हवा में उतारे और यरूशलम की ओर जा रहे थे उन्हें इराकी-सीरियाई सीमा के करीब रोक लिया गया। वहीं सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने चिंता व्यक्त की है और युद्ध के खतरों को रोकने के लिए सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। सऊदी अरब की आधिकारिक एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अगर संघर्ष बढ़ा तो उसके गंभीर परिणाम होंगे।

इजरायली सेना के बताया है कि ईरानी ड्रोन को इजरायली हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही मार गिराया। बयान में यह भी कहा गया है कि ड्रोन को अमेरिका और ब्रिटेन ने मार गिराया है। अमेरिकी सेना ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उसने भी ईरानी ड्रोन को मार गिराया है। इजरायल पर हमला केवल ईरान की तरफ से नहीं बल्कि लेबनान में ईरान के प्रॉक्सी हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर रॉकेट दागे हैं, जबकि यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी इजरायल की ओर ड्रोन भेजे हैं।

ईरान की आईआरजीसी ने जॉर्डन को धमकी दी है कि अगर वह इजरायल की मदद करेगा तो उसका अगला निशाना जॉर्डन होगा। ईरान के सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईरान की सेना जायोनी शासन के खिलाफ हमले के दौरान जॉर्डन की गतिविधियों की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है और अगर जॉर्डन इजराइल की मदद करता है तो ईरान का अगला निशाना होगा।

ईरान के इजराइली पर हमले की भारत ने की निंदा, शांति और सुरक्षा के लिए बताया खतरा

तेल अवीव,(ईएमएस)। ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर हमला कर एक नए युद्ध की शुरुआत कर दी है। दोनों देश दशकों से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। अगर यह युद्ध बढ़ता है तो खाड़ी क्षेत्र और भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। वहीं भारत ने हमले पर चिंता की है। इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुए इस संघर्ष से हजारों भारतीयों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

भारत ने रविवार को कहा कि वह इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष को लेकर चिंतित है। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि हम तनाव को तत्काल कम किये जाने, संयम बरतने, हिंसा से परहेज करने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आग्रह करते हैं। भारत हालात पर नजर रखे हुए है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में हमारे दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। यह जरूरी है कि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनी रहे।

इजरायल में भारतीय दूतावास ने एडवायजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि हाल की घटनाओं को देखते हुए इजरायल में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को शांत रहने और इजरायली अधिकारियों की ओर से जारी प्रोटोकॉल का पालन करें। दूतावास सभी नागरिकों के संपर्क में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल में 18 हजार भारतीय हैं। वहीं ईरान में 4 हजार भारतीय रहते हैं। ऐसे में इस संघर्ष के बीच 22 हजार भारतीय फंसे हुए हैं।

इस हमले के कारण दुनिया तीसरे विश्व युद्ध ना शुरु हो जाए इसको लेकर चिंतित है। रूस-यूक्रेन का युद्ध पहले से ही चल रहा है। इसके बाद इजरायल और हमास का संघर्ष शुरू हो गया। ऐसे में अगर एक और युद्ध शुरू होता है, तो दुनिया पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि आज की रात इजरायल को जीत मानना चाहिए। क्योंकि वर्तमान अमेरिकी आकलन यह है कि ईरान का हमला काफी हद तक असफल रहा और इजरायल के डिफेंस सिस्टम कारगर साबित हुए।

बता दें एक अप्रैल को सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था, जिसमें कई ईरानी मिलिट्री कमांडर मारे गए थे। ईरान ने कहा था कि यह हमला इजरायल ने किया था। वहीं इजरायल इस हमले से इनकार करता रहा है। ईरान हमास और हिजबुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों को समर्थन देता है, जो इजरायल पर हमला करते हैं।

17 लोकसभा चुनावों की अपेक्षा ठंडा दिख रहा मिशन 2024 का घमासान
आरोपों की बौछार के बीच चुनावी रंगत गायब ,फीका पड़ा चुनावी प्रचार...मतदाता नहीं दे रहे भाव

नई दिल्ली(ईएमएस)। सूरज की तपिश बढ़ने के साथ लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देश में सियासी माहौल गर्म हो रहा है। लेकिन पिछले 17 लोकसभा चुनावों की अपेक्षा इस बार चुनावी माहौल बिलकुल ठंडा पड़ा है। न सत्तारूढ़ भाजपा और न ही इंडिया गठबंधन चुनावी माहौल बना पाए हैं। जहां चुनावी सभाएं हो रही हैं वहां आरोपों की बौछार की जा रही है, लेकिन चुनावी रंगत गायब है। राजनीतिक पार्टियों द्वारा भाड़े की भीड़ जुटा कर चुनावी सभाएं की जा रही है। लेकिन मैदान में चुनावी माहौल पूरी तरह फीका पड़ा हुआ है। जबकि इस बार के चुनाव में 96.8 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा। पहले फेज में 102 सीटों पर वोटिंग होगी। ये निर्वाचन क्षेत्र 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अंतर्गत आते हैं। इनमें से अधिकांश सीटें तमिलनाडु (39) में हैं। जबकि राजस्थान की 12 सीटें पर, उत्तर प्रदेश की 8 सीटों पर, मध्य प्रदेश की 6, असम की 5, उत्तराखंड की 5 और महाराष्ट्र की 5 सीटों पर पहले चरण में वोटिंग होगी। लेकिन विडंबना यह है कि बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात, हरियाणा जैसे राज्यों में चुनाव प्रचार ने अभी जोर नहीं पकड़ा है। इसके विपरीत तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल में प्रचार सबसे अधिक जोरों पर है। यह जानकारी चुनाव आयोग द्वारा राज्यों की ओर से जनसभा, रोड शो, रैलियों के अलावा हेलीकॉप्टर और वाहनों के इस्तेमाल के लिए मांगी गई अनुमति के आंकड़ों के विश्लेषण से मिलती है।

18वीं लोकसभा के लिए हो रहा चुनाव इस बार इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच है। यानी राजनीतिक पार्टियां दो खेमों में बंटी हुई है। इसके बावजुद चुनावी रंगत फीकी पड़ी हुई है। एनडीए के उम्मीदवार केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए चुनावी फिजा में केवल मोदी की ही गूंज है। सत्ता पक्ष मोदी के चेहरे को भुनाने में जुटा हुआ है तो विपक्ष मोदी को घेरने में। इस कारण उम्मीदवार का चेहरा पूरी तरह गायब है। इसका असर यह देखने को मिल रहा है कि लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी माहौल नहीं बन पा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखकर विशेषज्ञों का कहना है कि 1977 के बाद इतना फीका लोकसभा चुनाव कभी देखने को नहीं मिला। मतलब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू की कोई 185-189 लोकसभा सीटों में वह माहौल है, जहां कार्यकर्ताओं, पार्टियों, नेताओं और मतदाताओं सभी ने यह माना हुआ है कि जीतना तो भाजपा को है। इसलिए न खर्च की जरुरत और न वोट मांगने की जरुरत।

मतदाताओं के मौन और ठंडा चुनावी माहौल देखकर कुछ लोग बड़ी उलटफेर की आशंका जता रहे हैं। जाहिर है जिन राज्यों में मोदी हवा है वहां विपक्ष का दो-तीन सीटें जीतना बड़ी उलटफेर होगी। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू में विपक्ष को 20-25 सीटें भी मिलें तो हैरानी होगी। और यह तथ्य नोट रखें कि इन राज्यों में 2019 के मुकाबले में एक-दो-पांच सीटों का नुकसान ही भाजपा की पिछली 303 सीटों में कमी का आधार होगा। इन्हीं इलाकों से भाजपा के 273 पार सीटों का आंकड़ा बेजान चुनाव से घटना या बढ़ना है। सवाल है माहौल जब फीका है तो मतदान प्रतिशत कम होगा या अधिक? उत्तर प्रदेश में भाजपा उम्मीदवारों को जिताने के लिए अपने आप अधिकाधिक मतदान होगा या भाजपा विरोधी वोट हुए विपक्ष को ज्यादा शिद्दत से वोट डालेंगे?

महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे (ठाकरे पार्टी को 21, कांग्रेस 17, शरद पवार पार्टी 10 सीट) ने महाराष्ट्र की जनता की निगाह में उद्धव ठाकरे बनाम नरेंद्र मोदी की सीधी प्रतिद्वंद्विता बना दी है। इसका अर्थ है लोगों में, समर्थकों में एकनाथ शिंदे और अजित पवार की वोट दुकान खत्म। इनकी वही दशा होनी है जो बिहार में भाजपा के पार्टनर नीतीश, मांझी, पासवान आदि की होनी है। उद्धव ठाकरे खूब सभाएं कर रहे हैं। वही भाजपा ने अपने ही हाथों एकनाथ शिंदे और अजित पवार का बोरिया बिस्तर बंधवा दिया है। इसलिए 48 सीटों वाले महाराष्ट्र में मोदी बनाम उद्धव ठाकरे में पचास-पचास फीसदी जीत-हार हो तो वह भाजपा-एनडीए को झटका होगा। उद्धव ठाकरे की धुरी पर मोदी विरोधी वोटों का रिकॉर्ड मतदान होगा तो ऐसे ही कर्नाटक में सिद्धरमैया-शिवकुमार (कांग्रेस), तमिलनाडु में स्टालिन, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, दिल्ली में केजरीवाल, झारखंड में हेमंत सोरेन, ओडिशा में नवीन पटनायक, बिहार में तेजस्वी, तेलंगाना में रेवंत रेड्डी (कांग्रेस) के रहते भाजपा की सीटें जीतने का सुनामी मंसूबा पूरा नहीं होना है। मतलब उन सभी राज्यों में नरेंद्र मोदी की कथित सुनामी याकि अबकी बार 400 पार सीटों का आंकड़ा बुरी तरह फेल होना है, जहां अभी तक मोदी ने सर्वाधिक रैलियां की हैं। तमिलनाडु में नरेंद्र मोदी ने अपने नए मनोहर लाल खट्टर याकि अन्नामलाई की कितनी ही हवा (तमिलनाडु के भावी सीएम, मोदी बाद के भावी पीएम) बनाई हो उससे वोट प्रतिशत जरूर बढ़ जाएं लेकिन एक-दो सीट भी आ जाए तो उससे कर्नाटक में हुए नुकसान की भरपाई कतई नहीं होनी है। कर्नाटक में अब फिफ्टी-फिफ्टी सीटों के अनुमान लगते हुए हैं। मुमकिन है कर्नाटक-तेलंगाना भाजपा के लिए सदमे वाले राज्य हों तो आंध्र में चंद्रबाबू नायडू की हवा बनी भी तो वे नरेंद्र मोदी के लिए नवीन पटनायक जैसे भरोसेमंद कतई नहीं होने हैं। कहते हैं ओडिशा में नवीन पटनायक ने धर्मेंद्र प्रधान के लिए भी मुकाबला कड़ा बनवा दिया है।

मार्कोस को उम्मीद, फिलीपींस, अमेरिका और जापान का मिलाना दक्षिण चीन सागर में बदलाव लगाया

टोकियो (ईएमएस)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि फिलीपींस, अमेरिका और जापान का एक सहयोग समझौता दक्षिण चीन सागर और क्षेत्र में गतिशीलता को बदल देगा, जबकि उन्होंने चीन को आश्वस्त करने की कोशिश की कि यह कोई लक्ष्य नहीं है। मार्कोस ने राष्ट्रों के पहले त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात के बाद कहा कि मुझे लगता है कि त्रिपक्षीय समझौता बेहद महत्वपूर्ण है।

मार्कोस ने कहा कि यह उस गतिशीलता को बदलने जा रहा है, जिसे हम इस क्षेत्र में एशिया में आसियान में दक्षिण चीन सागर के आसपास देखते हैं। तीनों नेताओं ने दक्षिण चीन सागर में चीन के खतरनाक और आक्रामक रुख पर गंभीर चिंता जाहिर की, जो चीन और अन्य देशों के बीच विभिन्न समुद्री विवादों के माध्यम से वार्षिक जहाज-जनित वाणिज्य के 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का माध्यम है। फिर भी, मार्कोस ने कहा कि शिखर सम्मेलन किसी भी देश के खिलाफ नहीं था, लेकिन मनीला, वाशिंगटन और टोक्यो के बीच आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के 2016 के फैसले के बावजूद चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जिसमें पाया गया कि बीजिंग के व्यापक दावों का कोई कानूनी आधार नहीं है। फिलीपीन और चीनी जहाजों के बीच पिछले महीने में कई बार टकराव हुआ है, जिसमें वॉटर कैनन का इस्तेमाल और तीखी नोकझोंक भी शामिल है।

बैसाखी पर 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान पहुंचे

लाहौर,(ईएमएस)। वार्षिक बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए तकरीबन 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री वाघा सीमा के रास्ते होते हुए शनिवार को लाहौर पहुंचे हैं। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय सिख तीर्थयात्री यहां बैसाखी उत्सव में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री एवं पाकिस्तानी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रामश सिंह ओरारा ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव राणा शाहिद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वाघा सीमा पर भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत किया है। ईटीपीबी के प्रवक्ता अमीर हाशमी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, कि गुरुद्वारा पंजा साहिब, हसनअबदाल में बैसाखी उत्सव में शामिल होने के लिए तकरीबन 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री यहां पहुंचे हैं। हाशमी ने कहा कि उत्सव का मुख्य कार्यक्रम रविवार को हो रहा है, जिसमें 11,000 से अधिक स्थानीय और विदेशी सिख तीर्थयात्री पंजा साहिब में जुटने के लिए पहुंचे हैं।

सीडनी में चाकू से 6की हत्या करने वाले की हुई पहचान

सिडनी,(ईएमएस)। सिडनी के एक भीड़भाड़ वाले शॉपिंग सेंटर में चाकू से हमला कर 6 लोगों की हत्या करने वाले हमलावर की पहचान पुलिस ने कर ली है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस ने यह दावा करते हुए रविवार को बताया कि शहर के बॉण्डी जंक्शन में वेस्टफील्ड शॉपिंग सेंटर में शनिवार दोपहर को किए गए हमले के लिए जोएल कॉची (उम्र 40) जिम्मेदार है। एक पुलिस अधिकारी ने इस घटना के बाद उसे गोली मारकर ढेर कर दिया था। एनएसडब्ल्यू के सहायक पुलिस आयुक्त एंथनी कुक ने पत्रकारों को बताया कि घटना को अंजाम देने वाला कॉची मानसिक रूप से बीमार था और पुलिस जांचकर्ता इसकी आतंकवादी घटना के तौर पर जांच नहीं कर रहे हैं।

इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से फिर से गोल्ड के दाम में तेजी आने की संभावना

9 दिन में 3765 महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले कुछ समय से गोल्ड के रेट में तगड़ी उछाल आई है। ग्लोबल स्तर से लेकर भारत में गोल्ड के रेट अपने ऑट टाइम हाई लेवल पर पहुंच गए हैं। साथ ही सिल्वर के दाम में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी गई है। अब ईरान-इजरायल के बीच वार से सोने के दाम में इजाफा होने का अंदेशा लगाया जा रहा है। एक्सपट्र्स का मानना है कि गोल्ड और सिल्वर के रेट इससे और बढ़ सकते हैं।

मार्च में 10 प्रतिशत की तेजी के बाद अप्रैल में भी सोने में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। सोने के दाम में बढ़ोतरी को हवा फेड रिजर्व की ओर से जारी महंगाई आंकड़े के बाद और मिली है। वहीं अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से फिर से गोल्ड के दाम में तेजी आने की संभावना है।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा गोल्ड

12 अप्रैल को कॉमेक्स गोल्ड जून वायदा के लिए 2,308.8 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस था, जबकि रूष्टङ्ग पर कीमतें 73958 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गईं, जो इसका रिकॉर्ड हाई लेवल है। वहीं सिल्वर प्राइस मई वायदा के लिए एमसीएक्स पर 86126 रुपये प्रति 1 किलो था। सिल्वर में फरवरी के दौरान करीब 10 फीसदी और अप्रैल में 5 प्रतिशत की उछाल आ चुकी है।

गोल्ड रेट की बात करें तो दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 74 हजार रुपये से ऊपर पहुंच गई है। गोल्ड रेट अप्रैल में यानी करीब 9 दिनों के दौरान 70605 रुपये प्रति 10 ग्राम से 3765 रुपये बढ़कर 74,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इसी तरह सिल्वर रेट भी तेजी से बढ़े हैं। 1 अप्रैल को सिल्वर सर्राफा बाजार में 78 हजार रुपये प्रति किलो थे, लेकिन अब 85 हजार 500 रुपये प्रति किलो पहुंच चुका है। दरअसल गोल्ड-सिल्वर एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। ऐसे में युद्ध के बीच या महंगाई बढ़ने के बीच लोग ज्यादा जोखिम नहीं उठाते हुए सोना और चांदी जैसे धातुओं में निवेश करना पसंद करते हैं। अब ईरान-इजरायल के बीच युद्ध से गोल्ड की डिमांड तेजी से बढ़ने वाली है, जिस कारण इसके रेट में भी इजाफा होगा। भारत में ज्वेलरी की मांग भी बढ़ने वाली है, क्योंकि शादियों का सीजन भी शुरू होने जा रहा है। ऐसे में गोल्ड और सिल्वर की खूब खरीदारी संभव है। साल 2022 में 1,081.9 टन और 2023 में 1,037.4 टन की रिकॉर्ड खरीद हुई थी, जिस कारण 2024 में भी रिकॉर्ड खरीदारी होने की उम्मीद है। इसलिए सोने के दाम में और इजाफा हो सकता है।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पंघाल पुरुष मुक्केबाजी टीम में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुम्केबाज अमित पंघाल को बैंकाक में अगले माह 25 मई से दो जून तक होने वाले आंखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल किया गया है। अब पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह बनाने का ये अंतिम अवसर है। पंघाल के अलावा राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच 57 किलो को भी टीम में शामिल किया गया है। वहीं अबिनाश जामवाल 63.5 किलो वर्ग में शिव थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा को 80 किलो में लक्ष्य की जगह शामिल किया गया है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा
घरेलू शेयर बाजार की नजरें कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। बाजार विश्लेषकों का कहना है ?कि इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रम, वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा। बुधवार को रामनवमी पर्व पर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार ?विश्लेषकों ने कहा ?कि यह सप्ताह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इसकी वजह यह है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष की आशंका पैदा हो रही है। दोनों के बीच तनाव बढ़ने से वैश्विक शेयर बाजारों में घबराहटपूर्ण बिकवाली देखने को मिल सकती है। इसके अलावा बाजार की नजरें कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इन्फोसिस, बजाज ऑटो और विप्रो की तिमाही नतीजे आने हैं जिन पर निवेशकों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल के अलावा डॉलर सूचकांक की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। सोमवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर पर सभी की नजर रहेगी। कंपनी ने शुक्रवार को अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे पेश किए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़कर 12,434 करोड़ रुपये रहा है।

हालांकि, विदेशी बाजारों में कंपनी को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पूरे वित्त वर्ष में टाटा समूह की कंपनी का मुनाफा नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 45,908 करोड़ रुपये रहा है। वहीं कंपनी की आमदनी 2,25,458 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,40,893 करोड़ रुपये हो गई है। बाजार का परिदृश्य प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। इस दौरान भारत का थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा आना है। साथ ही चीन का जीडीपी, अमेरिका का विनिर्माण उत्पादन के साथ बेरोजगारी दावों का आंकड़ा आना है। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में घटकर पांच माह के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति कम हुई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि खनन क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण फरवरी, 2024 में भारत की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि चार महीने के उच्चतम स्तर 5.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। निवेशकों की नजर कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगी है। इनसे बाजार को दिशा मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था हालांकि मजबूत बनी हुई है लेकिन वैश्विक मोर्चे पर नकारात्मक खबरें यदा-कदा भारतीय शेयर बाजारों की रफ्तार को रोकती रहती हैं।

ईरान बना सकता है परमाणु बम, मौजूद है यूरेनियम

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान द्वारा इजरायल पर किए गए सीधे सैन्य हमले के बाद कहा जा रहा है कि ईरान के पास इतना यूरेनियम है कि वह महज छह माह के अंदर में 12 परमाणु बम बना सकता है। शनिवार देर रात ईरान ने 300 से अधिक ड्रोन से हमले करने के साथ ही मिसाइलें इजरायल पर दागीं थीं। इसमें 100 से अधिक बैलिस्टिक और 30 क्रूज मिसाइलों के साथ खतरनाक किलर ड्रोन भी शामिल थे।

यह अलग बात है कि ईरान की धमकी को देखते हुए इजरायल पहले से ही हमले को नाकाम करने की पूरी तैयारी कर रखा था। ऐसे में ईरान के अधिकांश मिसाइलों और ड्रोन को इजरायल की सीमा से बाहर ही मार गिराया गया। खास बात यह रही कि हमले को रोकने इजरायल की मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन के साथ ही जॉर्डन ने भी मदद की है। इजराइल का जवाब देने के लिए ईरान के हमले ने इस इलाके में एक बड़े युद्ध की आशंका को जन्म दे दिया है, जिसके चलते दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खतरा इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए सामान तैयार रखा है।

दरअसल मौजूदा साल के शुरु में ही संयुक्त राष्ट्र के हथियार पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी थी कि ईरान के पास 12 परमाणु बम बनाने जैया पर्याप्त यूरेनियम मौजूद है। एक रिपोर्ट में अमेरिकी भौतिक विज्ञानी और हथियार विशेषज्ञ डेविड अलब्राइट के हवाले से बताया गया है कि ईरान ने यूरेनियम का 90 प्रतिशत से अधिक संवर्धन किया हुआ है। अब ऐसे में यह एक सच्चाई है कि ईरान के वैज्ञानिकों के पास पृथ्वी पर प्रलय लाने वाले हथियार बनाने की जानकारी और सामान है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया दावा करता है कि ईरान परमाणु बम बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। मीडिया का दावा है कि ईरान को परमाणु बम बनाने में महज 6 माह का ही समय लगेगा। इस बात को लेकर भी चिंता जाहिर की जा रही है।

इजराइल पर ईरान का हमला,बचाव में उतरे अमेरिका-ब्रिटेन
ईरान ने इजरायल पर 150 क्रूज मिसाइल और 200 ड्रोन दागे

तेल अवीव (ईएमएस)। सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर एक हमले में ईरानी सैन्य कमांडरों की मौत के बाद ईरान लगातार धमकी दे रहा था कि वह इजराइल पर हमला कर बदला लेगा। ईरान की धमकी से अमेरिका भी चिंतित था। जिसका डर था वही हुआ। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजरायल पर दर्जनों मिसाइल और ड्रोन से हमला कर दिया है। इस हमले से पूरी दुनिया अलर्ट पर है। ईरान ने इस हमले को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस नाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक ईरान ने शनिवार-रविवार की रात में इजरायल पर 150 क्रूज मिसाइल और 200 ड्रोन दागे। इजरायल के जवाबी हमले को लेकर ईरान ने दूसरे देशों को भी धमकी दी है कि अगर कोई भी देश इजरायल को हमले के लिए अपना एयरस्पेस देता है, तो ईरान उस पर भी हमला करेगा। ड्रोन की स्पीड कम होती है, जिस कारण उन्हें इजरायल तक पहुंचने में समय लग रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना इजरायल को बचाव करते हुए ईरानी ड्रोन को मार गिरा रही है। इजरायल ने अपना आयरन ड्रोन डिफेंस सिस्टम भी एक्टिव कर दिया है जो ईरान के हमलों को नाकाम कर रहा है।

ईरान की धमकी को देखते हुए अमेरिका, इजरायल ने पहले ही हमले का अनुमान लगा लिया था। अमेरिकी सेना अलर्ट पर थी। उसने अपने दो युद्धपोत इजरायल की सुरक्षा में तैनात कर दिए थे। ईरानी हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। और उन्होंने नेतन्याहू से भी फोन पर बात की और इजरायल को पूरी सुरक्षा देने की बात कही है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव, यूके, जर्मनी और फ्रांस ने इस हमले की निंदा की है। मिस्त्र, सऊदी, स्पेन, पुर्तगाल ने ईरानी हमले पर गहरी चिंता जताते हुए संयम बरतने को कहा है। लेबनान के हिज्बुल्लाह ग्रुप ने बयान जारी कर दावा किया कि उसके आतंकियों ने गोलान हाइट्स के कैला बैरक क्षेत्र में इजरायली रक्षा बलों और वायु रक्षा मुख्यालय को निशाना बनाकर दर्जनों रॉकेट दागे हैं। ईरानी हमले के बाद से पूरे इजरायल में सायरन की आवाज सुनी दे रही है। हमले में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं हैं।

ईरान का कहना है कि हमला इजरायल के अपराधों की सजा है। दरअसल सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर एक हमले में ईरानी सैन्य कमांडरों की मौत हो गई थी। हमले का आरोप इजरायल पर लगा था जबकि इजरायल इस हमले से इनकार कर रहा था । ईरान ने धमकी दी थी कि वह बदला जरुर लेगा। अमेरिका भी कह चुका था कि ईरान जल्द हमला कर सकता है और रात में ईरान ने अपनी धमकी पूरी कर दी। इसके बाद सभी अलर्ट पर हैं।

सूरत के उधना स्टेशन पर प्रवासी मजदूरों का सैलाब, कम पड़े रेलवे के इंतजाम, सिर्फ 16 हजार को मिली ट्रेन

मुंबई: पश्चिम रेलवे के मुंबई डिविजन में सूरत से सटे उधना स्टेशन से पिछले एक सप्ताह में करीब 50 हजार लोग अनारक्षित ट्रेनों से गांव लौट चुके हैं। रविवार को भीड़ बढ़ने के बाद एक ही दिन में पांच ट्रेनें भागलपुर या छपरा के लिए रवाना की गईं। इससे करीब 16 हजार लोगों को भेजा गया। इनमें से अधिकांश अप्रवासी मजदूर और उनके परिवार हैं। बताया जा रहा है कि सूरत से मजदूरों का ये 'पलायन' दिहाड़ी की कमी के कारण हो रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुंबई डिविजन के अधिकारियों को उधना स्टेशन का दौरा करना पड़ा। मुंबई डिविजन में आने वाले सूरत से सटे उधना स्टेशन पर मजदूरों की भारी भीड़ ने रेलवे की मुश्किल बढ़ा दी है। अब तक 16 हजार मजदूरों को ट्रेनों से रवाना किया जा चुका है लेकिन स्टेशन पर अभी मजदूरों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। नए पेमेंट रूल के चलते मजदूर अपने घरों को जा रहे हैं।

साड़ी बनाने में देश के टॉप शहरों में सूरत का शुमार होता है लेकिन पिछले कुछ वक्त से मांग कम होने के कारण मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट हुई है। 1 अप्रैल से साड़ी बनाने वाले लूम (फैक्ट्री) में सप्ताह में केवल 3 दिन ही काम हो रहा है। दिहाड़ी मजदूरों को की सप्लाई करने वाले शिवम त्रिपाठी ने बताया कि मजदूरों को प्रतिदिन के हिसाब से वेतन दिया जा रहा है। परिवार के साथ रहने वाले मजदूरों को महीने में 5-6 हजार रूम का किराया देना पड़ता है। दिहाड़ी में कमी होने के कारण इनका गुजारा मुश्किल हो गया। दूसरी ओर लूम मालिकों की ओर से भी मजदूरों को छुट्टी पर जाने की सलाह दे दी गई।

1 अप्रैल से एमएसई में पेमेंट के नए रूल के मुताबिक 45 दिनों में पेमेंट देना होगा। रूल की अवहेलना करने वालों को लेट पेमेंट के बाद भारी जुर्माना चुकाना होगा। पहले मैन्युफैक्चरर दो से तीन महीनों में पेमेंट चुकाते थे। छोटे व्यापारी भी मैन्युफैक्चरर्स को करीब 2 महीनों में पेमेंट देते थे। 45 दिनों के बाद यदि रकम बकाया है, तो उसे भी इनकम में गिना जाना लगा और जीएसटी भी इसी हिसाब से देय होगी। इस नए नियम के कारण पेमेंट के पूरे साइकिल पर प्रभाव पड़ा है जिसके कारण फिलहाल माल की सप्लाई से पहले पेमेंट पर फोकस किया जा रहा है। सूरत के एक कपड़ा व्यापारी आशीष भाई ने बताया कि सीए ने कहा कि 31 मार्च तक 16 फरवरी तक का पेमेंट क्लीयर करना था जबकि पेमेंट का रोटेशन बिगड़ने के कारण फिलहाल डिमांड कम हो गई है। इस पूरे सिस्टम को ठीक होने में करीब 3-4 महीने लगेंगे ऐसे में काम की कमी के कारण मजदूरों को छुट्टी दे दी गई है।

ग्रीष्मावकाश में यात्रियों को मिलेगी राहत, सूरत की मिली 6 नई ट्रेनें

सूरत (ईएमएस) दक्षिण गुजरात के सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों में जानेवाले प्रवासी लोगों के लिए 6 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं जिससे यात्रियों को भीड़ से बड़ी राहत मिलेगी दरअसल गर्मी की छुट्टियाँ शुरू हो चुकी हैं शहर के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की घोषणा के साथ ही गांव जाने के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही हैं खासकर उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में जाने के लिए लोगों को रेलवे स्टेशन पर आए भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे हालात आज सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर देखने को मिलें जहां उत्तर प्रदेश, बिहार समेत अन्य राज्यों में जाने के लिए संख्या से अधिक यात्री ट्रेन पर चढ़ गए और उसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग बेहोश हो गए जिन्हें रेलवे स्टेशन से 108 एम्बुलेंस सेवा द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी लोकसभा सीट से उम्मीदवार सी आर पाटिल ने इस घटना को गंभीरता से लिया घटना के बाद उन्होंने तुरंत अपने कार्य कर्ताओं को रेलवे स्टेशन पहुंचाया। वहीं उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से फोन पर बातचीत की और नई 6 ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव रखा तब रेल मंत्री ने तुरंत यात्रा के लिए 6 नई ट्रेनें शुरू करने की अनुमति दे दी यह नई 6 ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों के लिए चलाई जाएंगी। इस घटना को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और मीडिया के माध्यम से यात्रियों से रेलवे स्टेशन पर सावधानी बरतने और जल्दबाजी न करने का अनुरोध किया

एमएसई के नियमों का परिणाम अपरोक्ष रूप से रेलवे पर भी पड़ा है। डिविजन के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल के डेटा देखते हुए इस बार अनारक्षित ट्रेनों के बेहतर इंतजाम किए गए थे, लेकिन पिछले एक सप्ताह से सारी व्यवस्थाएं नाकाफी साबित होने लगीं। अब स्टेशन पर भीड़ जमा न हो इसके लिए जिला प्रशासन से अनारक्षित ट्रेनों से जाने वाले लोगों को रेलवे परिसर से बाहर पार्क इत्यादि में बिठाने की मांग की गई है। रविवार को प्रस्तावित 3 तीन ट्रेनों के अलावा दो और रेक की व्यवस्था की गई। डिविजन से एडीआरएम लेवल के अधिकारी को स्पॉट पर भेजा गया है। आरपीएफ और जीआरपी के अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है और ट्रेनों में लोगों को कतार बनाकर बोर्ड कराया जा रहा है।

राजकोट से रूपाला को हटाए BJP नहीं तो....अस्मिता सम्मेलन में 'शक्ति प्रदर्शन' से क्षत्रिय समाज ने दिया अल्टीमेटम

अहमदाबाद,१४ अप्रैल

गुजरात में केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला की टिकट के मुद्दे पर क्षत्रिय समाज ने बीजेपी को अल्टीमेटम दिया है। राजकोट में आयोजित क्षत्रिय महासम्मेलन में नेताओं ने कहा कि अगर बीजेपी रूपाला की टिकट वापस नहीं लेती है तो समाज गुजरात की सभी 26 सीटों पर ऑपरेशन रूपाला चलाएगी। सुरेंद्रनगर और भावनगर जैसी सीटों पर जहां क्षत्रिय मतदाता एकजुट होकर दूसरे पक्ष में मतदान करेंगे। क्षत्रियों नेताओं ने साफ किया कि रूपाला के बयान से क्षत्रिय समाज का अपमान हुआ है। ऐसे में इस विवाद को एक ही हल है कि बीजेपी परशोत्तम रूपाला का टिकट वापस ले। क्षत्रिय नेताओं ने कहा वक्त बदला है रक्त वही है। क्षत्रिय समाज की संकलन समिति ने महासम्मेलन के जरिए शक्ति प्रदर्शन किया।

क्षत्रिय समाज के महासम्मेलन से बीजेपी की मुश्किल बढ़ गई। क्षत्रिय महिला वक्ता तृप्ति बा ने कहा कि पुरुष समाज महिलाओं के अपमान पर चुप नहीं रहें। उन्होंने कहा कि बीजेपी में आंतरिक विवाद हो तो बीजेपी रातोंरात मंत्रिमंडल और प्रत्याशी बदल जाते हैं, लेकिन पार्टी का कोई नेता क्षत्रिय महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी करे तो क्यों प्रत्याशी नहीं बदला गया। तृप्ति बा ने लड़ाई लंबी है। इसलिए संघर्ष के लिए हौसला बनाए रखें।

सम्मेलन में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख महिपाल मकराणा भी सम्मेलन में पहुंचे। मकराणा ने कहा कि ये तो नजारा है। अभी पिक्चर बाकी है। होली के मौके पर परशोत्तम रूपाला ने कहा था कि महाराजाओं ने अंग्रेजों के सामने घुटने टेक दिया थे और रोटी बेटी का व्यवहार किया था। क्षत्रिय बयान रूपाला के इसी बयान को लेकर आंदोलनरत है। रूपाला तीन बार माफी मांग चुके हैं, लेकिन क्षत्रिय समाज का कहना है कि रूपाला को टिकट रद्द हो इससे कम मंजूर नहीं है। गुजरात में लोकसभा सीटों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 19 अप्रैल है। राजकोट से बीजेपी के उम्मीदवार परशोत्तम रूपाला 16 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे। राजकोट से कांग्रेस ने परेश धानानी को मैदान में उतारा है। वह 18 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे।

गुजरात में केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला की टिकट रद्द करने मांग तूल पकड़ती जा रही है। राजकोट में आयोजित हुए अस्मिता सम्मेलन में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के क्षत्रिय नेता भी शामिल हुए। लाखों की भीड़ के बीच क्षत्रिय समाज ने अल्टीमेटम दिया कि अगर रूपाल की टिकट नहीं कटी तो क्षत्रिय समाज एकजुट होकर विरोध में वोट करेगा।

अमित शाह 19 को गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो और नामांकन दाखिल करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा के लिए 12 अप्रैल को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 19 अप्रैल तक जारी रहेगी हालांकि अब तक नामांकन प्रक्रिया सुस्त रही है, लेकिन कल यानी 15 अप्रैल से इसमें तेजी आएगी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 अप्रैल को गांधीनगर लोकसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे फिलहाल अमित शाह देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचंड चुनाव प्रचार कर रहे हैं अमित शाह अगले सप्ताह अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करेंगे जानकारी के मुताबिक अमित शाह 18 अप्रैल को गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो करेंगे और 19 अप्रैल को विजय मुहूर्त में नामांकन भरेंगे अमित शाह की नामांकन प्रक्रिया के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, क्लस्टर प्रभारी केसी पटेल और लोकसभा प्रभारी व राज्यसभा सांसद मयंक नायक उपस्थित रहेंगे अमित शाह 18 और 19 अप्रैल के दौरान अहमदाबाद और गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रहेंगे

खून से तिलक, कविता के जरिए प्रहार... राजकोट के रण में उतरने से पहले परेश धानानी ने यूं भरी हुंकार

अहमदाबाद,१४ अप्रैल

गुजरात में राजकोट की सीट सबसे ज्यादा हाई प्रोफाइल होती दिख रही है। गुजरात से यूं तो गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन क्षत्रिय की नाराजगी के बीच राजकोट से कांग्रेस पार्टी ने दिग्गज नेता परेश धानानी को मैदान में उतारा दिया है। कांग्रेस की तरफ से राजकोट से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद धानानी ने कविता के माध्यम से बीजेपी और राजकोट से कैंडिडेट केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला का तीखा कटाक्ष किया है। धानानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राजकोट के चुनाव को स्वाभिमान का युद्ध करार दिया। धानानी ने लिखा है कि राजकोट में आंतरिक कलह रूपाला जी को काफी मुश्किल हुई हैं। मैंने उन्हें अमरेली वापस लाने के लिए राजकोट जा रहा हूं।

धानानी ने आगे लिखा कि राजकोट का युद्ध किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं है बल्कि यह अहंकार और संविधान और स्वाभिमान बचाने की लड़ाई है। पिछले दिनों जब क्षत्रिय समाज की महिलाओं ने जौहर की धमकी दी थी तब धानानी ने कहा था कि हमारी बहनों को जौहर करने की कोई जरूरत नहीं है। धानानी ने ही कांग्रेस के कैंडिडेट के तौर पर 2002 के विधानसभा अमरेली में परशोत्तम रूपाला को शिकस्त दी थी। इसके बाद रूपाला अब चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने रूपाला के बयान से नाराज क्षत्रियों के आंदोलन के बीच धानानी को मैदान में उतारा है। रूपाला कड़वा पाटीदार हैं जबकि धानानी लेऊवा पाटीदार हैं। राजकोट की सीट पर लेऊवा पाटीदार की संख्या अधिक है। परशोत्तम रूपाला की तरह परेश धानानी भी अमरेली के रहने वाले हैं।

राजकोट से उम्मीदवार घोषित होने के बाद कांग्रेस की महिला मोर्चा की अध्यक्ष जेनीबेन ठुम्मर ने परेश धानानी का अपने खून से तिलक किया और अस्मिता की लड़ाई में विजयी होने की कामना की। जेनीबेन ठुम्मर अमरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। जेनीबेन ठुम्मर ने सेफ्टी पिन के जरिए अपनी अंगुली से खून निकाल पर परेश धानानी के माथे पर लगाया और जीत का विश्वास व्यक्त किया।

इस मौके पर धानानी ने कहा कि यह लड़ाई राजकोट के आत्मसम्मान की है। मुझे इस लड़ाई में जीतने का पूरा भरोसा है। बीजेपी के कैंडिडेट परशोत्तम रूपाला द्वारा 16 अप्रैल को नामांकन दाखिल किए जाने की उम्मीद है, जबकि परेश धानानी 18 अप्रैल को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। गुजरात में तीसरे चरण में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 19 अप्रैल है।

क्षत्रिय समाज को लेकर केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला के बयान से नाराज क्षत्रिय समाज ने राजकोट में आज अस्मिता सम्मेलन बुलाया है। इसमें काफी बड़ी तादाद में लोगों के जुटनेकी उम्मीद की जा रही है। क्षत्रिय समाज की मांग है कि बीजेपी रूपाला को टिकट रद्द करे। क्षत्रिय समाज के आंदोलन की संकलन समिति के प्रवक्ता करण सिंह चावड़ा के अनुसार अब बात काफी आगे बढ़ चुकी है। इसमें माफी की गुंजाइश नहीं है।

लोकसभा चुनावों से पहले लिया गया फैसला

गुजरात में 35 IPS का प्रमोशन और ट्रांसफर, गहलोत सूरत और नरसिम्हा बने वडोदरा के नए पुलिस कमिश्नर

अहमदाबाद, १४ अप्रैल ।

लोकसभा चुनावों से पहले से आईपीएस ऑफिसर्स के प्रमोशन और ट्रांसफर का इंतजार किया जा रहा था। चुनावों के ऐलान के बाद राज्य के ३५ आईपीएस ऑफिसर्स का प्रोन्नति और तबादले का आदेश जारी हुआ है। इसमें अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक समेत २० पुलिस ऑफिसर्स को जहां प्रोन्नति मिली हैं, तो वहीं दूसरी तरफ गुजरात के दो शहरों के पुलिस आयुक्त में बदलाव हुआ है। नए आदेश के अनुसार वडोदरा के कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत को सूरत भेजा गया है। सूरत जैसे बड़े शहर में करीब ७४ दिनों तक कोई कमिश्नर नहीं था, लेकिन अब सूरत को पुलिस कमिश्नर मिल गया है। गृह मंत्रालय की ओर से आईपीएस के ट्रांसफर और प्रमोशन का आदेश दिया गया है। सूरत में ढाई महीने से ज्यादा समय तक प्रभारी कमिश्नर था, लेकिन अब नया पुलिस कमिश्नर मिल गया है। वडोदरा के मौजूदा पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत को सूरत का पुलिस कमिश्नर बनाया गया है, जबकि नरसिम्हा कोमार को वडोदरा का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रमोशन और ट्रांसफर की इस प्रक्रिया में अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जी.एस. मलिक और गुजरात पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अतिरिक्त महानिदेशक हसमुख पटेल सहित २० से अधिक अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है।

नए फेरबदल के अनुसार तरुण दुग्गल को मेहसाणा का नया एसपी, ओम प्रकाश जाट को अहमदाबाद ग्रामीण का एसपी, जेआर मोथलिया को अहमदाबाद रेंज का आईजी और प्रेमवीर सिंह को सूरत रेंज का आईजी बनाया गया है। चिराग कोरडिया आईजी कच्छ बॉर्डर रेंज का पदभार संभालेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले गृह विभाग ने राज्य में आईपीएस के तबादले और प्रमोशन के ३५ आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा इम्तियाज शेख को छोटा उदेपुर का एसपी बनाया गया है। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक को डीजी के रूप में पदोन्नत किया गया है। एडीजीपी का पद संभाल रहे राज कुमार पांडियन को डीजी पद पर प्रोन्नति दी गई है। चैतन्य मांडलिक समेत अधिकारियों की भी तत्काल तैनाती की जायेगी। आरवी असारी को पंचमहल गोधरा रेंज आईजी के रूप में पदोन्नत किया गया है। मनोज अग्रवाल को पदोन्नत कर डीजीपी बनाया गया है। डॉ के एल एन राव को पुलिस महानिदेशक और सुनील जोशी को उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

शिवम वर्मा अहमदाबाद जोन-७ के डीसीपी बने हैं, जबकि गौरव जसानी आनंद के एसपी बने हैं। महेंद्र बागरिया को पदोन्नत कर छुट्टी बनाया गया है। इसके अलावा दीपक मेघानी, लीना पाटिल, श्वेता श्रीमाली, निर्लिप्त राय को छुट्टी पद पर पदोन्नत किया गया है। एसजी त्रिवेदी को एडीजीपी के रूप में पदोन्नत किया गया है। इससे पहले राज्य के आठ आईपीएस और ६५ डीवाईएसपी का तबादला किया गया था। जिसमें गुजरात कैडर के साल २०२१ के आठ आईपीएस अधिकारियों को उनकी ट्रेनिंग पूरी होने के बाद गुजरात पुलिस में एएसपी की जिम्मेदारी दी गई है।

बौद्ध धर्म अलग है, हिंदुओं को बौद्ध बनना है तो अनुमति लेनी होगी

गांधीनगर, १४ अप्रैल ।

गुजरात सरकार ने एक सर्कुलर जारी करके साफ किया है कि बौद्ध धर्म अलग है। यह हिंदू धर्म से अलग है। ऐसे में अगर कोई धर्म बदलता है तो उसे अनुमति लेनी होगी। गुजरात सरकार ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति हिंदू धर्म से बौद्ध बनना चाहता है तो उसे गुजरात फ्रीडम ऑफ रिलिजन एक्ट, २००३ का पालन करना होगा। सरकार के अनुसार इस एक्ट इसका जिक्र है।

८ अप्रैल को जारी परिपत्र (सर्कुलर) में कहा गया है कि कानून और इसके तहत नियमों की जिला मजिस्ट्रेट कार्यालयों में मनमाने ढंग से व्याख्या की जा रही है और यह नोट किया गया है कि हिंदू धर्म से बौद्ध धर्म में परिवर्तन की अनुमति देने के मामले में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। सर्कुलर में कहा गया है कि कभी-कभी आवेदकों के साथ-साथ स्वायत्त संगठन भी तर्क देते हैं कि इस तरह के धर्मांतरण के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, कुछ मामलों में आवेदक अपने आवेदन में उल्लेख करते हैं कि चूंकि भारत के संविधान के अनुच्छेद २५ (२) में सिख धर्म भी शामिल है। हिंदू धर्म में बौद्ध और जैन धर्म में धर्म परिवर्तन के लिए आवेदक को किसी तरह की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है।

सर्कुलर में दोहराया गया कि बौद्ध धर्म को एक अलग धर्म माना जाना चाहिए और हिंदू धर्म से सिख धर्म, बौद्ध धर्म या जैन धर्म में परिवर्तित होने वाले किसी भी व्यक्ति को जिला मजिस्ट्रेट से पूर्व अनुमति लेनी होगी। इसमें कहा गया है कि मजिस्ट्रेट को धर्मांतरण की अनुमति मांगने वाले किसी भी आवेदन का जवाब देने से पहले समय पर लागू कानूनी प्रावधानों और सरकारी निर्देशों पर विचार करना होगा। गुजरात धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, २००३ में कहा गया है कि कोई भी व्यक्तिबल प्रयोग या प्रलोभन या किसी कपटपूर्ण तरीके से किसी भी व्यक्तिको सीधे या अन्यथा एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित या परिवर्तित करने का प्रयास नहीं करेगा।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह ने भाजपा के घोषणा पत्र को जुमला पत्र बताया

अहमदाबाद (ईएमएस) भाजपा ने आज लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है जिसमें समान नागरिक संहिता लागू करने, देश के 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन योजना जारी रखने और गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर बनाने समेत कई वादे किए गए हैं भाजपा के इस चुनावी घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने भाजपा पर हमला बोला हैं शक्ति सिंह ने कहा कि भाजपा ने घोषणा पत्र पर एक तरफा बात कही हैं 1 घंटा 40 मिनट के घोषणा पत्र में भाजपा ने किसी भी पत्रकार को एक भी सवाल पूछने की इजाजत नहीं दी भाजपा ने घोषणा पत्र के नाम पर सिर्फ एक जुमला लेटर जारी किया है भाजपा ने पिछले चुनाव में काला धन वापस लाने और सभी लोगों को 15 लाख रुपये देने का वादा किया था हालांकि, भाजपा ने 10 साल में अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया चीन ने भारत में आकर स्मार्ट सिटी बनाई, लेकिन घोषणापत्र में चीन के इस कदम का कोई जिक्र नहीं है शक्तिसिंह ने कहा कि पहले घोषणा पत्र में क्या वादा किया गया और क्या किया गया इसका उल्लेख करने की परंपरा थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इस परंपरा को तोड़ने का काम किया है भाजपा ने पहले 30 लाख पद भरने का वादा किया था भाजपा ने फिर वादा किया है कि अब यह पद भरा जाएगा

पिता-पुत्री के पवित्र संबंध तार तार, दुष्कर्म से बेटी हुई गर्भवती

मेहसाणा (ईएमएस) मौजूदा आधुनिक दौर भाई-बहन और पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते भी जैसे कोई मायने नहीं रखते हैं भाई और पिता के साथ खुद को सुरक्षित महसूस करनेवाली लड़की के लिए जब यही लोग वहशी बन जाएं तो वह सुरक्षा की उम्मीद किससे करेगी उत्तर गुजरात के मेहसाणा से ऐसी ही एक घटना सामने आई है,

जिसमें पिता ने अपनी सगी बेटी से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती बना दिया मेहसाणा के लांघणज के निकट एक शिक्षक संस्था के आवास में उत्तर प्रदेश का मूल निवासी परिवार रहता हैं परिवार में पिता, पुत्री और पुत्र हैं 17 वर्षीय बहन के पेट में दर्द होने पर उसका भाई उसे अस्पताल ले गया जहां जांच के बाद बहन के गर्भवती होने की जानकारी से भाई चौंक उठा भाई के पूछने पर बहन ने बताया कि पिता ने उसके साथ घिनौना काम किया है, जिसकी वजह से वह गर्भवती हो गई जिसके बाद भाई ने अपने पिता के खिलाफ लांघणज पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवा दी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया और मामले की जांच शुरू कर दी

भाजपा ने गुजरात में अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की, पीएम मोदी समेत 40 नाम

अहमदाबाद (ईएमएस) भाजपा ने गुजरात में अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत 40 दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली भाजपा ने इस बार हैट्रिक लगाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी हैं भाजपा ने अबकी बार गुजरात की प्रत्येक सीट 5 लाख की लीड से जीतने लक्ष्य तय किया है और उसके लिए धुआंधार प्रचार कर रही है और आज अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी हैं इस सूची में सबसे पहला नाम है स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्य स्टारक प्रचारकों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथसिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, एस जयशंकर, अर्जुन मुंडा, डॉ भारती पवार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, मुख्यमंत्री मोहन यादव, मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साई, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा के अन्नामलाई, मनोज तिवारी, सीआर पाटील, रत्नाकर, विजय रूपाणी, पुरुषोत्तम रूपाला, मनसुख मांडविया, नितिन पटेल, गोरधन झडफिया, भरत बोघरा, रजनी पटेल, रघु नम्र, ऋषिकेश पटेल, कुंवरजी बावलिया, भानुबेन बाबरिया, हर्ष संघवी, आईके जाडेजा, प्रशांत कोराट, गौतम गेडिया, दीपिका सरडवा, रमीलाबेन बारा, राम मोकरिया, अल्पेश ठाकोर और परिन्दु भगत शामिल हैं पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने विश्वास के साथ कहा कि गुजरात की सभी 26 सीटों पर रिकार्ड जीत के साथ नरेन्द्र मोदी को तीसरी दफा प्रधानमंत्री बनाएंगे

तीन अलग अलग दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत

भावनगर (ईएमएस) भावनगर जिले में 12 घंटों के भीतर तीन अलग अलग दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 जितने लोग घायल हो गए घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही हैं स्थानीय पुलिस मामलों की जांच कर रही हैं जानकारी के मुताबिक भावनगर के राजपरा खोडियार माता के मंदिर में दर्शन करने वरसोला के पदयात्रियों का समूह पिछले 37 सालों से पैदल आता हैं हर साल की भांति चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 9 अप्रैल को वरसोला का पदयात्रियों को समूह भावनगर के राजपरा स्थित खोडियार माता के दर्शनार्थ रवाना हुआ था रास्ते में खेडा, वटामण, पीपली और धोलेरा

रेल मंत्रालय ने रेलवे स्टेशनों पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किये तेज

अहमदाबाद,दि.14

रेल मंत्रालय भारतीय रेल नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को पीने योग्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी गर्मी के मौसम और संभावित लू को देखते हुए, मंत्रालय ने स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता की समीक्षा की है और इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ज़ोनल रेलवे को निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय की इस प्रतिबद्धता के अनुपालन में, पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल अपने यात्रियों को स्थापित मानदंडों के अनुसार स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सभी हरसंभव प्रयास कर रहा है और स्टेशनों पर पीने के पानी को उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री सुधीर कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में मंडल के सभी स्टेशनों पर पेय जल उपलब्धता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। गर्मियों के मौसम में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों का अतिरिक्त दबाव रहता है और रेलवे का प्रयास रहता है कि यात्रियों को अधिकाधिक सुविधाएं प्रदान की जाए। गर्मियों के मौसम में स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों के लिए रेलवे द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए व्यापक प्रबंध किए गए है।

अहमदाबाद मंडल के अन्तर्गत आने वाले सभी स्टेशनों पर यात्रियों के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए व्यापक प्रबंध किए गए है। स्टेशनों पर यह सुनिश्चित किया गया है कि स्टेशन पर हर समय पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध रहे। यात्रियों को स्वच्छ पेयजल मिल सके इसके लिए स्टेशनों पर लगे सभी पानी के नलों को दुरस्त किया गया है और पानी के निकास की भी उचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही शीतल पेयजल के लिए स्टेशनों पर उपलब्ध वाटर कूलरों की सर्विस की गई है ताकि निर्बाध रूप से शीतल जल उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य निरीक्षकों को समय-समय पर स्टेशनों उपलब्ध पानी की शुद्धता जांचने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त पानी की स्वच्छता के लिए क्लोराइड आधारित सफाई की भी व्यवस्था की गई है।

स्टेशनों पर यात्रियों को आगामी गर्मियों के मौसम में स्वच्छ पेयजल सम्बंधी प्रबंधन के लिए सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए गए है। इसके साथ ही एनजीओ, स्वयंसेवी संस्थानों, सेवाभावी संस्थाओं से भी स्टेशनों पर प्याऊ लगाने की पहल करने की अपील की गई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा वडोदरा से गोरखपुर व मऊ के लिये स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) 22 फेरे. प्रत्येक सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 15 अप्रैल 2024 से 24 जून 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर-वडोदरा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.35 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, आगरा किला, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कानपुर, लखनऊ, बारा बांकी, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच रहेंगे।

2-ट्रेन संख्या 09195/09196वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) 22 फेरे. प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09196 मऊ-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को मऊ से 23.15 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00.45बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, बयाना, आगरा किला, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर और वाराणसी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच शामिल हैं। इन ट्रेनों की बुकिंग 13 अप्रैल, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धासुमन अर्पित किए

गांधीनगर 14 अप्रैल: संविधान निर्माता 'भारत रत्न' डॉ. बाबा साहब भीमरावआंबेडकर की 133वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात विधानसभा पोडियम में उनके तैल चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इसके बाद राजधानी गांधीनगर के 'च' मार्ग पर स्थित सेंट्रल विस्टा में स्थापित डॉ.आंबेडकरकीप्रतिमापर भी भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित की। इसअवसर पर गांधीनगर के महापौर श्री हितेषभाई मकवाणा और गांधीनगर की विधायक श्रीमतीरीटाबेनपटेलसहितकई अग्रणी यों ने भी विधानसभा पोडियम में डॉ. आंबेडकर के तैल चित्र और 'च' मार्ग पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96